(An India Newspaper)

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by) SPYeye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 अंक : 8 मंगलवार, 30 सितंबर-6 अक्टूबर 2025 हिन्दी साप्ताहिक मुल्य 02 रुपये मुख्य सम्पादकः लव जैन RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 पृष्ठः 8

रूस के उप प्रधानमंत्री के साथ शिवराज सिंह की बैठक, तकनीकी साझेदारी और मजबूत करने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस के उप प्रधानमंत्री दिमित्री पेत्रुशेव एवं उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की कृषि भवन में उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक के बाद शिवराज सिंह ने कहा कि ये मुलाकात सौहार्दपूर्ण व उपयोगी रही है। जिसमें कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग, द्विपक्षीय व्यापार संतुलित करने, तकनीकी साझेदारी और मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि रूस के समर्थन व सहयोग से व्यापार और लंबित मुद्दों का निश्चित तौर पर समाधान निकलेगा, जिसका लाभ हमारे किसानों, उपभोक्ताओं एवं दोनों देशों के नागरिकों को मिलेगा। रूस और भारत की मित्रता शांति व स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। हम अपने राष्ट्रहितों का संरक्षण करते हुए रूस के साथ और बेहतर कृषि व्यापार हो, नवाचार हो, खाद्य सुरक्षा के लिए हम साथ मिलकर काम करें, शिक्षा के क्षेत्र में काम करें, यह हमारी मंशा है। इन मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि भारत के बहुत से उत्पादों की रूस के बाजारों तक पहुंच हो सकती है, परंतु फाइटोसैनिटरी मानक और नॉन-टैरिफ बाधाओं के कारण उनके निर्यात में बाधाएं आ

रही हैं। चौहान ने रूस के उप प्रधानमंत्री को बताया कि भारत में खेतों के आकार काफ़ी छोटे हैं और छोटे किसान कभी-कभी ऐसे मानकों का पूरा पालन कर पाने में सक्षम नहीं हो पाते, इसलिए इन बाधाओं का मिलकर समाधान निकालने की आवश्यकता है। शिवराज सिंह ने विश्वास जताया कि फाइटोसैनिटरी मानक और नॉन-टैरिफ बाधाओं से जुड़े जो मामले हैं, उनका जल्द समाधान होगा। हमने शोध एवं नवाचार पर भी व्यापक चर्चा की है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और उनके संस्थान के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा जारी है, ताकि विज्ञान व तकनीकी का आदान-प्रदान हम लोग आपस में कर सकें।

शिवराज सिंह ने बताया कि हमने ये भी चर्चा की है कि हमारे विद्यार्थी रूस अध्ययन करने जाएं और रूस के विद्यार्थी, विशेषकर कृषि क्षेत्र में हमारे संस्थानों में पढ़ने आएं। चाहे हमारी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हो या हमारे कृषि कॉलेज, इस पर भी व्यापक सहमति बनी है। शिवराज सिंह ने कहा कि छात्रों का और अकादमिक आदान-प्रदान केवल शिक्षा का नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान होगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ बीज ट्रेसेबिलिटी प्रणाली और कृषि आधारित समाधानों पर भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में बिल्डर रहेजा ग्रुप और बिलासपुर के मीनाक्षी सेल्स व सुलतानिया ग्रुप के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी जारी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत बिलासपुर में ईडी की टीम की कस्टम मिलिंग और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिलासपुर के मीनाक्षी सेल्स और सुलतानिया ग्रुप के अलग-अलग ठिकानों में छापामार कार्रवाई जारी है। राजधानी रायपुर के बड़े बिल्डरों में शुमार रहेजा ग्रुप के ठिकानों पर भी छापा पड़ा है। ईडी की इस कार्रवाई के पीछे कौन-सी वित्तीय गड़बड़ियां या लेन-देन जांच के दायरे में हैं, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल अधिकारी ग्रुप से जुड़े कारोबारियों से पूछताछ कर रहे हैं और बड़ी संख्या में दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। आज सुबह रायपुर के जवाहर मार्केट स्थित रहेजा ग्रुप के संचालक संजय रहेजा के घर ईडी ने छापा मारा। कार्रवाई के दौरान ईडी अधिकारियों ने घर और दफ्तर से फाइनेंशियल रिकॉर्ड्स, दस्तावेज और अन्य कागजात खंगाले। सूत्रों का कहना है कि यह जांच किसी संदिग्ध लेनदेन या मनी ट्रेल के आधार पर की जा रही है। इसी तरह से ईडी की टीम आज सुबह बिलासपुर के मीनाक्षी सेल्स और सुलतानिया ग्रुप के अलग- अलग ठिकानों पर भी पहुंची है। इस दौरान 2 गाड़ियों में ईडी के अफसर सुल्तानिया परिवार के क्रांति नगर स्थित घर और ठिकानों पर जांच में जुटी हुई है। ऐसी भी जानकारी मिली है कि सुल्तानिया परिवार के कारोबारी कोयला घोटाले के मुख्य आरोपित सूर्यकांत तिवारी से कनेक्शन हैं। मीनाक्षी सेल्स और सुल्तानिया ग्रुप के अलग- अलग ठिकानों में तलाशी जारी है। इस दौरान कई अहम दस्तावेजों की भी जांच जा रही है। मीनाक्षी सेल्स सुल्तानिया ग्रुप कोयला, सीमेंट, छड़, स्टील, ट्रेडिंग में डील करता है।

दिल्ली विधानसभा में विट्ठलभाई पटेल और भगत सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की गई

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने आज केंद्रीय विधानसभा के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष विठ्ठलभाई झावेरभाई पटेल की 152वीं जयंती और शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर एक पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया। विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, 'विठ्ठलभाई पटेल ने ईमानदारी और निर्भीकता के साथ संसदीय परंपराओं की नींव रखी, वहीं शहीद भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके जीवन से हमें लोकतंत्र की रक्षा करने और जनता की सेवा में समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है।उन्होंने कहा, आज का यह समारोह न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दो महानायक विठ्ठलभाई पटेल और शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर रहा, बल्कि यह साहस, त्याग और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनः स्मृति भी बना।

डीबीसी कर्मचारियों की मांग को लेकर अंकुश नारंग ने महापौर को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता और दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने दिल्ली में बढ़ते मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मामलो और डीबीसी कर्मचारियों की मांग को लेकर महापौर राजा इकबाल सिंह और निगमायुक्त अश्वनी कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि डीबीसी कर्मचारियों की हड़ताल से स्थिति और गंभीर हो सकती है। अंकुश नारंग ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जो 5200 डीबीसी कर्मचारी मलेरिया, चिकनगुनिया और डेंगू की रोकथाम के लिए घर-घर जा रहे हैं, वे 29 सितंबर को हड़ताल पर जा रहे हैं। निगम उनकी मांग पूरी नहीं कर पा रही है। डीबीसी कर्मचारी समान वेतन, चिकित्सा अवकाश को अर्जित अवकाश में बदलने और मृत्यु की स्थिति में परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। नारंग ने बताया कि इस साल दिल्ली में डेंगू के 685 मामले और इस सप्ताह 66 नए मामले सामने आए हैं। मलेरिया के कुल 333 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें इस सप्ताह 36 नए मामले शामिल हैं, जो पिछले पांच सालों का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं।

भाजपा ही वह पार्टी है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखती है : अमित शाह

एजेंसी

बेतिया। पश्चिम चंपारण के बेतिया स्थित कुमारबाग स्टील फैक्ट्री प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चंपारण एवं सारण क्षेत्र की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधित किया और कार्यकर्ताओं से एकजुटता के साथ आगामी विधानसभा में जुट जाने का आह्वान किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाना ही हर भाजपा कार्यकर्ता का पहला दायित्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों से अवगत कराएं और संगठन को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ही वह पार्टी है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मजबूत संगठन ही मजबूत भारत का आधार

है। शाह ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुट जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता अगर ईमानदारी और निष्ठा के साथ मैदान में उतरेगा, तो बिहार में निश्चित ही राजग की सरकार बनेगी।

अमित शाह ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। गरीबों के लिए मुफ्त राशन योजना, किसान सम्मान निधि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक राहत और सुविधा पहुंचाई है। इन उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना और उन्हें भाजपा से जोड़ना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को अनुशासन, निष्ठा और परिश्रम की सीख भी दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल सत्ता पाने के लिए राजनीति करते हैं, जबकि भाजपा राष्ट्र निर्माण को लक्ष्य मानकर आगे बढ़ती है। कार्यकर्ताओं की ताकत ही भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है और यही संगठन को हर स्तर पर मजबूती प्रदान करती है। अमित शाह के संबोधन ने न केवल कार्यकर्ताओं के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि भाजपा बिहार में एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरेगी।

सदन में सीएम भगवंत मान ने दिया बाढ़ का पूरा डेटा, राहुल गांधी को

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में बाढ़ को लेकर विशेष सत्र में करीब छह घंटे तक बहस हुई, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष के हर आरोप का जवाब देते हुए पंजाब में आई बाढ़ की स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के दौरे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जाने के प्रयास और केंद्र सरकार की ओर से दिए गए पैकेज के मुद्दों पर खुलकर बात की। बहस के बाद विधानसभा को सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सीएम ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि केंद्र ने स्टेट डिजास्टर फंड में 25 साल में कुल 6,090 करोड़ रुपये दिए। इसके अतिरिक्त बाकी राशि पंजाब सरकार द्वारा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि सरकार ने पैसा खा लिया, जबकि दिल्ली से आए केंद्रीय मंत्री केवल फोटो खिंचाकर चले गए।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने हेलिकॉप्टर से निरीक्षण किया, लेकिन नीचे फौज और भाजपा-कांग्रेस के प्रतिनिधि बैठे थे। उन्होंने कहा कि 1,600 करोड़ रुपये का पैकेज घोषित किया गया, लेकिन 2,305 बाढ़ प्रभावित गांवों में हर गांव के हिस्से में केवल 80 लाख रुपये भी नहीं पहुंचे। सीएम भगवंत मान ने बीबीएमबी द्वारा पानी नहीं छोड़ने के मामले पर कहा कि सिर्फ 4,000 क्यूसिक पानी छोड़ने की बात थी, इससे बाढ़ कैसे रोकी जा सकती थी? उन्होंने बताया कि रणजीत सागर डैम, पौंग डैम, और भाखड़ा डैम में इस बार 1988 की तुलना में बहुत अधिक पानी आया। उन्होंने घग्गर नदी की सफाई और डिसिल्टिंग का डेटा साझा किया, जो 60 साल में पहली बार भाखड़ा और पौंग में की गई।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से बाढ़ राहत एवं रक्षा कॉरिडोर सहित कई मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।''

फडणवीस ने भी एक्स पर लिखा, ''जैसा हमेशा होता है, महान नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने राज्य में हाल ही में हुई भारी वर्षा और बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी दी और प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से सहायता का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में महाराष्ट्र में नए रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर नामित करने का विस्तृत प्रस्ताव भी प्रस्तुत

किया। इसमें पुणे-अहिल्यनगर-छत्रपति संभाजी नगर, अमरावती-वर्धा-नागपुर-सावनेर और नाशिक-धुले मार्गों को तीन संभावित रक्षा कॉरिडोर के रूप में शामिल किया गया है।

फडणवीस ने प्रधानमंत्री से खनिज और धातु से संबंधित कानून (एमएमडीआर अधिनियम, 1957) की धारा 17(ए)(2) के अंतर्गत क्षेत्र आरक्षित करने तथा लौह अयस्क क्षेत्र सीमा में ढील देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे गढ़चिरोली में चीन से भी सस्ती दर पर ग्रीन स्टील उत्पादन का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मुंबई उपनगर के दहिसर (पूर्व) स्थित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की भूमि हस्तांतरण और एचएफ रिसीविंग स्टेशन के स्थानांतरण का मुद्दा भी उठाया।

उनका कहना था कि इससे मूल्यवान शहरी भूमि सार्वजनिक उपयोग और शहर के विकास के लिए उपलब्ध हो सकेगी। फडणवीस ने बैठक में प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र की ''ईज ऑफ डूइंग बिजनेस'' से जुड़ी पहलों की प्रगति से भी अवगत कराया।

प्रधानमंत्री का 10 सूत्री एजेंडा वैश्विक स्तर पर आपदा प्रबंधन का मार्गदर्शक : नित्यानंद राय

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2016 में प्रस्तुत आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए 10 सूत्रीय एजेंडा आज न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए आपदा प्रबंधन का मार्गदर्शक सिद्ध हो रहा है। गृह राज्यमंत्री राय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के 21वें स्थापना दिवस के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष का विषय 'सुरक्षित राष्ट्र के लिए जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रौद्योगिकी' रहा, जिसमें आपदा प्रबंधन, तैयारी और लचीलापन निर्माण में उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर जोर दिया गया। राय ने कहा कि भारत ने इस एजेंडा को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन रणनीतियों में शामिल कर कई

क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज देश के पास एक लाख से अधिक प्रशिक्षित आपदा मित्र हैं, जिनमें से 20 प्रतिशत महिलाएं 'आपदा सखी' के रूप में कार्य कर रही हैं। इसके अलावा यूथ आपदा मित्र योजना के तहत 2.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आपदा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के उपयोग का वैश्विक अग्रणी बन चुका है और सरकार का लक्ष्य आपदाओं में शून्य जनहानि सुनिश्चित करना है। अंतिम व्यक्ति तक समय पर चेतावनी पहुंचना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थापना दिवस पर कई महत्वपूर्ण रिपोर्ट, दिशानिर्देश और ज्ञान उत्पाद जारी किए गए, जिनमें ड्रोन/यूएवी के उपयोग संबंधी एसओपी, राज्यों के आपदा प्राधिकरणों को सशक्त बनाने के लिए दिशा-निर्देश, बिजली गिरने से बचाव पर राष्ट्रीय अभियान की रिपोर्ट और दिल्ली हीट एक्शन प्लान 2025 शामिल हैं। इस अवसर पर एनडीएमए और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन के बीच डिजिटल आपदा तैयारी को मजबूत करने के लिए एक एमओयू भी किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सत्रों के दौरान विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और विभिन्न हितधारकों ने आपदा प्रबंधन में नवाचार और डिजिटल प्रणालियों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

उमर अब्दुल्ला के बाद महबूबा मुफ्ती ने सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की निंदा की

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी वांगचुक की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि लेह में कर्फ्यू है और इंटरनेट बंद है। यह कश्मीर में लंबे समय से हो रही घटनाओं की एक बुरी याद दिलाता है। आज के भारत में सत्ता को सच बताना भारी कीमत चुकाने जैसा है। वरना, जो व्यक्ति अपनी पूरी जिंदगी शांति और अहिंसा के लिए लड़ता रहा, वह जेल में कैसे पहुंच सकता है? गृह मंत्रालय ने सोनम वांगचुक पर लद्दाख के लेह शहर में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया, जिसके बाद पुलिस ने शुक्रवार दोपहर को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सोनाम वांगचुक 10 सितंबर को राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल करने और लद्दाख के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। 24 सितंबर को लेह में हिंसक भीड़ ने एक सीआरपीएफ वाहन को जला दिया, जिसमें सीआरपीएफ के जवान थे। इसके अलावा, उन्होंने भाजपा के स्थानीय कार्यालय और लेह की सर्वोच्च संस्था के कार्यालय को भी जला दिया और अन्य वाहनों को भी आग लगा दी। साथ ही, उन्होंने सुरक्षा बलों पर जमकर पत्थर फेंके। सोनाम वांगचुक ने 24 सितंबर को लेह में हिंसा शुरू होने के बाद अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें चार प्रदर्शनकारी मारे गए और 70 अन्य घायल हो गए।

'जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम' हुआ आयोजित

नई दिल्ली। जीएसटी विभाग द्वारा आयोजित 'जीएसटी बचत उत्सव कार्यक्रम' में व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी से संवाद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर माननीय मंत्री श्री राव नरबीर सिंह जी, माननीय विधायक श्री मुकेश शर्मा जी (गुड़गांव), माननीय विधायक श्री तेजपाल तंवर जी (सोहना) तथा माननीय विधायक श्रीमती विमला चौधरी जी (पटौदी) ने भी मुख्यमंत्री जी के साथ मंच पर सहभागिता की। मुख्यमंत्री जी एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति हार्दिक सम्मान प्रकट करते हुए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री विनोद गुप्ता (उपाध्यक्ष, एमएसएमई चेम्बर

ऑफ कॉमर्स), श्री पवन जिंदल (प्रधान, दौलताबाद रोड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन), श्री विनय गुप्ता (उद्योगपति एवं समाजसेवी) तथा श्री रविन जैन (उद्योगपति एवं समाजसेवी) उपस्थित रहे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने उद्योग एवं व्यापार जगत से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषय साझा किए, जो न केवल उपयोगी सिद्ध होंगे बल्कि सभी उद्यमियों के लिए प्रेरणादायी भी हैं। इस सफल एवं सार्थक आयोजन हेतु जीएसटी विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं आयोजकों को हृदय से धन्यवाद एवं आभार।

बिहार में सरकार बनी तो महिलाओं को हर माह 2500 पेंशन : प्रियंका गांधी

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। बिहार में पूर्वी चंपारण के जिला मुख्यालय मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित हर घर अधिकार यात्रा के दौरान अपने सम्बोधन में कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित बिहार में डबल इंजन की सरकार पर कथित तौर पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। भाई राहुल गांधी को सच्चा देशभक्त बताते हुए कहा कि वे सत्ता की लड़ाई नहीं लड़ रहे है, वे तो संविधान और आपके अधिकारो को बचाने की लड़ाई लड़ रहे है। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज देश की जमीन एक रूपये में गिरवी रखी जा रही है। अडानी, अम्बानी जैसे उद्योगपतियों के लिए सरकार काम कर रही है। कथित तौर पर वोट चोरी

करने वालो को आपने सत्ता की चाबी सौंपी है। आपके रोजगार, जमीन, नौकरी सहित अन्य सुविधाओं की चोरी कर ली है। बिहार में दो माह के अंदर चुनाव होना है, तो डबल इंजन की सरकार ने महिलाओं को दस हजार रूपये देने लगी है। इनकी सरकार बीस साल से बिहार में सत्ता पर काबिज है, ऐसे में इसके पहले उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? ये कथित तौर पर वोट चोरी कर सत्ता में आना चाहते है, जबकि इनकी चोरी पकड़ी गई है। अब लोगों को पैसा देकर वोट की कीमत लगा रहे है। प्रियंका गांधी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में जाकर देख लिजिए। वहां भाजपा की सरकार है। लेकिन युवाओं को कोर्स की मुताबिक तीन साल में डिग्री नहीं मिल रही। डिग्री मिलती है तो नौकरी नहीं, नौकरी के लिए परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद नियुक्त नहीं हो रही है। वहीं कांग्रेसनीत सरकार ने शिक्षा का माहौल तैयार कर दिया। बीमार लोगों के इलाज के लिए पच्चीस लाख रुपये तक का खर्च देती है। महिलाओं को भी रोजगार और आरक्षण का अवसर मिला है। बिहार में अगर हमारी सरकार बनती है तो अंग्रेजी बेस्ड सरकारी स्कूल बनाए जाएंगे। युवाओं को रोजगार की व्यवस्था भी बिहार में बनेगी, ताकि पलायन बंद हो सके।उन्होने कहा कि हमारा वादा है कि पूर्व की तरह चीनी मिल और फैक्ट्रियों का बिहार में जाल बिछाया जाएगा, ताकि अन्य राज्यों के फैक्ट्रियों में रोजगार के लिए युवाओं को जाना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी जाति-धर्म के लिए बेहतर कार्य करेगी। बापू की धरती पर आकर सौभाग्यशाली समझ रही हूं। यहां के पूर्वजो की कुर्बानी, मेरे परिवार की कुर्बानी को देश के लोग भूले नहीं है, इसी का परिणाम है कि मोदी सरकार आज दुसरे दलो के दम पर सत्ता में

साइबर पुलिस ने एयरफोर्स अधिकारी बनकर ठगी करने वाले ठग को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले की साइबर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एयरफोर्स अधिकारी बनकर ठगी करने वाले एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अलवर राजस्थान निवासी तसलीम खान (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दक्षिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि यह मामला उस समय सामने आया जब छतरपुर निवासी एक महिला ने साइबर थाना दक्षिण में एक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, आरोपित ने खुद को एयरफोर्स का अधिकारी बताकर महिला को फर्जी इनवॉइस और पत्र दिखाए और टोकन फीस, सिक्योरिटी चेक व गेट पास औपचारिकताओं के नाम पर 2.52 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू की। एसएचओ साइबर थाना दक्षिण इंस्पेक्टर हंसराज स्वामी के नेतृत्व में एक टीम ने तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाई। जिसमें आरोपित का लोकेशन अलवर (राजस्थान) में मिला। इसके बाद टीम ने अलवर के गांव मुकंदवास, रामगढ़ में छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित क्रिकर प्लेटफॉर्म पर एयरफोर्स अधिकारी बनकर लोगों को झांसे में लेता था।

सीडब्ल्यूएसएन की खाली पदों को तत्काल भरें और अनियमितताओं की जांच करें : अंकुश नारंग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने एमसीडी के शिक्षा विभाग में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए शिक्षकों की नियुक्ति और प्रबंधन में अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सीडब्ल्यूएसएन की खाली पदों को तत्काल भरने और अनियमितताओं की जांच की मांग की। अंकुश नारंग ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कहा कि दिल्ली में एमसीडी के 1,514 स्कूल हैं, जिनमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य है। 55 स्कूलों में एक भी विशेष शिक्षक नहीं है, जबकि कई स्कूलों में दो-दो विशेष शिक्षक नियुक्त हैं, जो एमसीडी के वित्त विभाग के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने एमसीडी पर भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी वजह से सीडब्ल्यूएसएन छात्रों की संख्या 10,000 से घटकर 7500 रह गई है। उन्होंने बताया कि 1514 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 1460 शिक्षक ही कार्यरत हैं, जिससे शिक्षकों की कमी साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि कुछ स्कूलों में जहां केवल 5-10 सीडब्ल्यूएसएन छात्र हैं, वहां दो-दो विशेष शिक्षकों को वेतन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने राजपूताना राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र के पास फुट-ओवर ब्रिज का किया शिलान्यास

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली कैंट स्थित राजपूताना राइफल्स रेजिमेंटल केंद्र के पास फुट-ओवर ब्रिज का शिलान्यास किया। इस मौके पर दिल्ली के लोकनिर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज समेत सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने जवानों को होने वाली इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। हमारी सरकार के पास जब जवान इस समस्या को लेकर आए तो हमने तुरंत इस पर ध्यान देते हुए आज इस फुट-ओवर ब्रिज का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों को सिर सिर्फ तिरंगे के आगे ही झुके, न की अव्यवस्था के कारण। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज फुट-ओवर ब्रिज का शिलान्यास करके जवानों को दीपावली का सरकार ने उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े में शुरू हुई ऐसी पहलें न केवल स्वच्छ और सुरक्षित दिल्ली का निर्माण कर रही हैं, बल्कि संसाधनों से सम्पन्न, सुगम यातायात और नागरिक सुविधा से युक्त विकसित दिल्ली के सपने को भी साकार कर रही हैं।मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस फुट-ओवर ब्रिज की मांग हमारे सैनिकों द्वारा पिछले 30 सालों से की जा रही थी। आज उनका यह सपना पूरा हुआ है। यह ब्रिज हमारे वीर जवानों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और जनता की दशकों पुरानी समस्याओं का समाधान करना ही हमारा संकल्प है।

दिल्ली में 16वीं चैपियंस रन का आयोजन, 'हम फिट तो इंडिया फिट' का दिया संदेश

नई दिल्ली। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर दिल्ली के गांधी दर्शन स्थल पर 16वीं चैंपियंस रन का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने किया। साथ ही रन पूरी होने के बाद विजेताओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया गया। दिल्ली में हेल्थ फिटनेस ट्रस्ट ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आयोजित 16वीं चैंपियन रन में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 'हम फिट तो इंडिया फिट' के संदेश के साथ चैंपियन रन के माध्यम से देशवासियों में फिटनेस के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस आयोजन में दिल्ली पर्यटन विभाग के अलावा गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति, लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी साझेदार रहे। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल मौजूद रहे। इस पूरे आयोजन का समन्वय एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा द्वारा किया गया, जो वर्षों से देशभर में फिटनेस और स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों की अगुवाई करती रही हैं। पर्यटन मंत्री मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में पर्यटन का परिदृश्य बहुत तेजी से बदल रहा है।

पश्चिम बंगाल में सनातन धर्म की मान्यताओं को सरे आम कुचला जा रहा : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनके राज में बंगाल में सनातन धर्म की मान्यताओं को सरे आम कुचला जा रहा है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पूरे देश में नवरात्रि का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सभी लोग पूर्ण श्रद्धाभाव से शक्ति की आराधना में लगे हैं।

एक ओर पूरा देश शक्ति की आराधना में लीन है, तो दूसरी ओर इंडी गठबंधन के नेताओं के दुर्भाव और संदिग्ध बयान सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मार्च 2024 में राहुल गांधी के मुंह से यह निकल गया था कि हमें हिंदू धर्म की शक्ति से लड़ना है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शक्ति से लड़ाई की शुरुआत इस नवरात्रि के पावन पर्व से ही हो रही है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल

में एक दुर्गा पंडाल में, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक गीत का आनंद लेती नजर आ रही है जिसमें कहा गया है कि मेरे दिल में है काबा और नजर में मदीना। मुद्दा यह नहीं है कि उनका दिल काबा के पास है, बल्कि असली सवाल यह है कि एक दुर्गा पंडाल में ऐसा गीत क्यों गाया जा रहा था, और वह भी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रोत्साहन पर। नवरात्रि के पावन पर्व पर, दुर्गा पंडाल के अंदर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की उपस्थिति और उनके प्रोत्साहन के साथ यह गीत क्यों गाया जा रहा है? क्या यह हिंदू धर्म की शक्ति से लड़ने, राहुल गांधी के संकल्प और इंडी गठबंधन के हिंदू धर्म के समूल नाश के लिए लैंड माइंस बिछाने की शुरुआत है? सुधांशु ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले कर्नाटक में विश्व प्रसिद्ध मैसूर दशहरे के उद्घाटन के समय, कर्नाटक सरकार ने देवी जी के मंदिर में भानु मुस्तफा से पूजा अर्चना करवाई। आज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक दुर्गा पंडाल में बड़े सजदे के साथ ताली बजाते हुए इस गाने का आनंद ले रही थीं। इंडी गठबंधन से सवाल पूछते हुए उन्होंने कहा कि क्या हिंदू धर्म की ताकत और सनातन धर्म के उन्मूलन के लिए बारूदी सुरंगें बिछाने के इंडी गठबंधन के एजेंडे के खिलाफ लड़ने का राहुल गांधी का संकल्प शुरू हो चुका है? हम देख रहे हैं कि पूजा-पाठ और अनुष्ठान होते हुए भी किसी और धर्म के गीतों को बढ़ावा दिया जा रहा है और उनके लिए यह मधुर धर्मनिरपेक्ष संगीत जैसा लग रहा है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 24 सितंबर को कोलकाता में कई दुर्गा पूजा पंडालों का उद्घाटन किया। ऐसे ही एक उद्घाटन समारोह में, उनकी पार्टी के नेता मदन मित्रा ने एक इस्लामी गीत गाकर हिंदू पूजा के पवित्र स्थल का अपमान किया।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी की मल्लिकार्जुन खरगे ने की निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तारी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह कदम सरकार की लापरवाही और असंवेदनशील रवैये को दर्शाता है। खरगे ने एक्स पर लिखा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लद्दाख में सरकार द्वारा स्थिति से निपटने में की गई गंभीर चूक और उसके बाद सोनम वांगचुक की कठोर एनएसए के तहत गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती है। उन्होंने कहा कि इस पूरे संकट की जड़ लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं के साथ लगातार किया गया विश्वासघात है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक साल से अधिक समय से लद्दाख में उथल-पुथल का माहौल है और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की जनता की मांग को धैर्यपूर्वक सुनने के बजाय मोदी सरकार हिंसा से जवाब दे रही है। भाजपा ने इस क्षेत्र को छठी अनुसूची का दर्जा देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरी तरह से नकार दिया

गया है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस लद्दाख में शांति और सौहार्द चाहती है। दशकों से कांग्रेस ने यह सुनिश्चित किया है कि यह सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित रहे। खरगे ने चार युवकों की मौत और कई अन्य लोगों के घायल होने की न्यायिक जांच की मांग की।

एनएसजी का प्री-एवरेस्ट अभियान : माउंट सतोपंथ की चढ़ाई के लिए विशेष दल रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के विशिष्ट आतंकवाद-निरोधक बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने अपने प्री-एवरेस्ट अभियान के तहत गढ़वाल हिमालय की 7075 मीटर ऊंची माउंट सतोपंथ चोटी की चढ़ाई की शुरुआत की है। यह विशेष अभियान 12 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चलेगा। यह अभियान अप्रैल 2026 में प्रस्तावित एवरेस्ट अभियान की तैयारी के रूप में आयोजित किया जा रहा है। एनएसजी महानिदेशक बृधु श्रीनिवासन (आईपीएस) ने मानेसर से एक अधिकारी और 14 कमांडो के दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पर्वतारोहण अभियान 'ब्लैक कैट्स' की सहनशक्ति, धैर्य, संचालनात्मक तत्परता और अदम्य जज़्बे का प्रतीक है। यह यात्रा शारीरिक कठोरता, मानसिक दृढ़ता, जीवन रक्षा कौशल और टीम भावना की परीक्षा है और इन्हीं गुणों से एनएसजी की ताकत और दक्षता परिभाषित होती है। महानिदेशक ने दल की सफलता पर विश्वास जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। एनएसजी का यह दल गंगोत्री-भोजबासा-गौमुख-नंदनवन-वासुकीताल के चुनौतीपूर्ण मार्ग से होते हुए उच्च

शिविर स्थापित करेगा और माउंट सतोपंथ की चोटी तक पहुंचेगा। उल्लेखनीय है कि एनएसजी ने साल 2019 में माउंट एवरेस्ट पर सफल चढ़ाई कर इतिहास रचा था। उस उपलब्धि ने ब्लैक कैट कमांडोज़ के साहस, दृढ़ निश्चय और पेशेवर दक्षता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया। अधिकारियों का मानना है कि ऐसे अभियानों से न केवल कमांडोज़ की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता और कठिन परिस्थितियों में काम करने की दक्षता बढ़ती है बल्कि बल के जवानों में शारीरिक और मानसिक दृढ़ता भी और अधिक सुदृढ़ होती है।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का विश्व कायस्थ सम्मेलन 23 अक्टूबर से

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा और चित्रांश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (सीसीसीआई) ने विश्व कायस्थ सम्मेलन, 2025 के आयोजन करने का ऐलान किया है। राजधानी नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 23-24 अक्टूबर को दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन होगा। महासभा के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अभिषेक वर्मा ने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में इसकी जानकारी दी।अखिल भारतीय कायस्?थ महासभा (पंजीकृत 2150, नई दिल्ली) के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अभिषेक वर्मा ने संवाददाताओ को सम्मेलन की जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मेलन यम द्वितीया (भाई दूज) के शुभ अवसर पर 23-24 अक्टूबर को आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि यम द्वितीया परंपरागत रूप से भगवान चित्रगुप्त की पूजा के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन कायस्थ समुदाय के लिए एकजुट होने और अपनी ताकत प्रदर्शित करने का एक ऐतिहासिक अवसर होगा। डॉ. वर्मा ने अपने संबोधन में भारत के अनुमानित 12 करोड़ कायस्थों से इस अवसर पर

एकजुट होने, एकता प्रदर्शित करने और एक महत्वपूर्ण राजनीतिक तथा सामाजिक शक्ति के रूप में उभरने का आह्वान किया, ताकि 2047 स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को 'विश्व गुरु' (विश्व नेता) के रूप में स्थापित करने में मदद मिले। उन्होंने इस अवसर पर अपने पिता, प्रसिद्ध कवि और सांसद स्वर्गीय श्रीकांत वर्मा की स्मृति में 'श्रीकांत वर्मा सम्मान' की स्थापना की भी घोषणा की। वर्मा ने बताया कि यह पुरस्कार प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा, जिसमें हिंदी साहित्य के लिए 21 लाख रुपये, हिंदी साहित्य में सर्वोच्च पुरस्कार पत्रकारिता के लिए 5 लाख रुपये और कला एवं प्रदर्शन कला के लिए 2 लाख रुपये प्रत्येक शामिल होंगे। इस अवसर पर आगामी सम्मेलन के विवरण साझा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने कहा, इस दो दिवसीय आयोजन में 25,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है।

नाबालिग छात्र की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली। बाहरी जिले के मंगोलपुरी इलाके में एक नाबालिग छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। जांच में मृतक की पहचान अभिषेक (16) के रूप में हुई है। पुलिस ने उक्त मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर सात नाबालिगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि मंगोलपुरी टी ब्लॉक स्थित स्कूल में परीक्षा चल रही थी। परीक्षा देकर जैसे ही छात्र अभिषेक बाहर निकला। पहले से घात लगाए बैठे कुछ लड़कों ने उस पर हमला कर दिया। आरोपितों ने छात्र को लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा।

मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा में विकास कार्यों का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पीतमपुरा के विभिन्न ब्लॉकों में नई सीवर लाइनें, पानी की लाइनें और आधारभूत संरचना से संबंधित विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार एक ओर जहां सीवर और पानी जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा कर रही है, वहीं दूसरी ओर एलिवेटेड रोड, छठ घाट और घर-घर तक गैस पाइपलाइन जैसी बड़ी परियोजनाएं दिल्ली के भविष्य को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार दिन-रात लगातार काम कर रही है। सड़कों और आधारभूत संरचनाओं को नई मजबूती मिली है, स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त हुई हैं, हरित ऊर्जा और स्वच्छता को नई दिशा मिली है। हर क्षेत्र में तेजी से हो रहा यह बदलाव दिल्लीवासियों के

जीवन को और आसान तथा बेहतर बना रहा है। उन्होंने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता रानी की कृपा से आपके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो।

आईपीयू ने राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित किया आउटरीच कार्यक्रम

एजेंसी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के छात्रों ने जेजे कॉलोनी गांव में एक विशेष आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और जमीनी स्तर पर सहायता उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम कुलपति प्रो. महेश वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक, निदेशक प्रो. वंदना सिंह और सेंटर आउटरीच एंड एक्सटेंशन एक्टिविटीज के एसोसिएट प्रोजेक्ट निदेशक डॉ. जुबैर अहमद खान शामिल हुए।छात्रों ने ग्रामीणों को आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई प्रमुख योजनाओं के लाभ और प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। इसके साथ ही उन्होंने आवश्यक विवरण इकट्ठा करने और फॉर्म भरने में भी मदद की, ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। इसके साथ ही, जेजे कॉलोनी में स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया जहां स्थानीय निवासियों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि यह पहल समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और छात्रों में सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जीजीएसआईपीयू का उद्देश्य है कि छात्र न केवल अकादमिक रूप से उत्कृष्ट हों, बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक कल्याण में भी सक्रिय योगदान दें।

वक्फ कानून में संशोधनों के खिलाफ मुस्लिम संगठनों के आंदोलन पर विहिप ने जताई चिंता, सतर्क रहने की दी सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य मुस्लिम संगठनों ने वक्फ कानून में संशोधनों के खिलाफ तीन अक्टूबर को एक व्यापक आंदलोन करने की घोषणा की है। इस घोषणा पर चिंता जाहिर करते हुए विश्व हिन्दू परिषद ने हिन्दू समाज को इस तरह के आंदोलन के बीच सतर्क और सावधान रहने का आह्वान किया है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में विहिप के अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि तीन अक्टूबर को मुस्लिम संगठनों ने देश के मुसलमानों से अपनी दुकानें और संस्थानों को बंद रखने के लिए कहा है। इसे सोशल मीडिया पर भारत बंद कहा जा रहा है। इस दिन मुस्लिम समाज राष्ट्रपति भवन और राज्यों में स्थित राज भवनों की तरफ मार्च निकालने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन इस दौरान अगर कही हिंसा हुई इसकी जिम्मेदारी भी उन संगठनों की होगी। आलोक कुमार ने कहा कि वक्फ कानून में संशोधन के खिलाफ कोर्ट में मामला चल रहा है। ऐसे में निर्णय की प्रतिक्षा किए बगैर आंदोलन छेड़ना आश्चर्य का विषय है। अभी बारावफात (मिलाद-उन-नबी) के कार्यक्रमों के

दौरान अनेक स्थानों पर हिंसा हुई है। उसके बाद भी देश में अनेक स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों और जुलूसों में हिंसा के समाचार सामने आ रहे हैं। विश्व हिन्दू परिषद् को यह आशंका है कि वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ आयोजित आंदोलनों में बड़ी मात्रा में हिंसा और तोड़फोड़ हो सकती है। देश के अनेक स्थानों पर हिंसा और झडपें हुईं। उनके कार्यक्रम हिंसक हो रहे हैं। इसमें शांतिपूर्ण रहने की उम्मीद कम है। शांतिपूर्ण कार्यक्रम उनके नियंत्रण में नहीं है। अगर इसमें हिंसा होती है तो इसकी जिम्मेदारी उन संगठनों की होगी। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे सतर्क रहें और सावधान रहें। आई लव मोहम्मद पोस्टर के सवाल पर आलोक कुमार ने कहा कि अगर मुस्लिम संगठन अपने धार्मिक कार्यक्रमों में ऐसे पोस्टर लगाए तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी लेकिन अगर इन पोस्टरों से समाज में नफरत फैलाने के लिए किया जा रहा है तो चिंताजनक है।

3580 किग्रा अवैध पटाखे समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले की स्पेशल स्टाफ ने अवैध पटाखों के साथ एक ही परिवार के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके घर से पुलिस को 3580.4 किलोग्राम पटाखे बरामद हुए हैं। आरोपितों ने राजौरी गार्डन के आवासीय इलाके में स्थित अपने घर के अंदर ही पटाखे का गोदाम बना रखा था और गुरुवार को इनको पटाखों की पैकेजिंग के दौरान रंगे हाथ पकड़ा गया।ये लोग मेरठ, गुरुग्राम और गाजियाबाद से पटाखे लाकर दिल्ली में ज्यादा मुनाफे पर बेचते थे। पुलिस के मुताबिक, गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार सुबह टीम ने विशाल एन्क्लेव, राजौरी गार्डन स्थित घर में छापेमारी के बाद आरोपितों को दबोच लिया। इनकी पहचान पति सुशील कक्कड़, पत्नी उपासना कक्कड़ और बेटे शिवम कक्कड़ के रूप में हुई है। ये लोग इलाके में एक नमकीन व अन्य खाद्य पदार्थों की दुकान चलाते हैं।

मुस्लिम महासम्मलेन में वक्फ संशोधन कानून पर की गयी सरकार की सराहना

एजेंसी

नई दिल्ली। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने आज यहां के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में अखिल भारतीय मुस्लिम महासम्मलेन का आयोजन किया। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से उलमा, सूफी, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद एक मंच पर एकत्रित हुए। सम्मेलन में देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 12 हज़ार लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुरान-ए-पाक की तिलावत से किया गया। इस महासम्मलेन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शाहिद अख्तर, वक्फ संशोधिन विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के चेयरमैन सांसद जगदंबिका पाल, अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख मौलाना उमैर इलियासी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्य नारायण जटिया के अलावा क्षेत्रीय, प्रांतीय एवं राष्ट्रीय संयोजकों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर इंद्रेश कुमार ने कहा कि इस महासम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य मुस्लिम नेतृत्व की नई रणनीति बनाना, राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा करना, सामाजिक सुधार को बढ़ावा

देना और एक ठोस रूपरेखा तैयार करना है, जिससे समुदाय की आकांक्षाओं को भारत की विकास यात्रा से जोड़ा जा सके। इंद्रेश कुमार ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म, समुदाय या रंग नहीं होता बल्कि यह एक शैतानी विचारधारा है। इंद्रेश कुमार ने नए वक्फ कानून की भी सराहना की और तीन तलाक जेसे मामलों पर भी अपने विचार प्रकट किए। प्रो. शाहिद अख्तर ने सभी लोगों से आग्रह किया कि एक बनें और नेक बनें, मुहिम को आगे ले जाएं। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच अनाथ बच्चों को गोद लेकर उन्हें तालीम से जोड़ रहा है। देश से नफरत और कट्टरता को मिटाना और मुल्क को अमन और भाईचारे के रास्ते पर ले जाना ही मुस्लिम राष्ट्रीय मंच और हम सभी का उद्देश्य है। मौलाना उमैर अहमद इलियासी ने कहा कि हमें अपने राष्ट्र को एक परिवार की तरह लेकर चलना होगा। कश्मीर में अनुच्छेद-370 के हटने के बाद वहां बहुत खुशहाली आई है। इससे वहां पर्यटन भी काफी बढ़ा है। वक्फ के मसले में संशोधन एक प्रक्रिया है, उसके अंदर संशोधन हुआ है। कानून में संशोधन के ज़रिए मुसलमानों तक उनका हक़ पहुंचा है। उन्होंने सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हम सभी यहां एक राष्ट्रवादी हित के लिए जमा हुए हैं और यह आयोजन भारत की दिशा बदल देगा। मंच के संयोजक मोहम्मद अफज़ाल ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच लगातार देशहित के लिए काम कर रहा है। हमनें गोरक्षा पर कार्यक्रम किए, संविधान के अनुच्छेदा-37, 35ए और तीन तलाक पर काम किया। इन सभी मुद्दों पर हमने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में काम किया। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने हमेशा उन ताकतों को जवाब दिया है जो भारत को बांटने का सपना देखते हैं। उन्होंने वक्फ सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार वक्फ की एक-एक इंच जमीन का डिजिटलीकरण कर रही है ।

बाबा साहेब के आदर्शों पर चल रही दिल्ली सरकार : रविंद्र इंद्राज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सत्य और आत्म-सम्मान है। दिल्ली सरकार उनके आदर्शों पर चलकर न्याय, समानता और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है। यह बात दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहीं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आत्म-सम्मान दिवस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, कलिंदी कॉलेज की प्राचार्य प्रो. मीना चरंडा, समाजशास्त्र संकाय के डीन प्रो. संजॉय रॉय उपस्थित रहे। मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि 27 सितंबर 1951 को डॉ. आंबेडकर ने महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा हेतु नेहरू सरकार में

अपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया, इसलिए यह दिन राष्ट्रीय आत्म-सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल बाबा साहेब का व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि पूरे समाज को न्याय और समानता के मार्ग पर ले जाने वाला ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने महिलाओं को संपत्ति, विवाह और उत्तराधिकार में समान अधिकार दिलाने का प्रयास किया लेकिन उस समय की सरकार ने इसकी अनदेखी की। बाबा साहेब का पूरा जीवन गरीब, दलित, वंचितों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित रहा। मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का अधिकार प्रदान किया। उन्होंने छुआछूत, जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। बाबा साहेब ने दलित, पिछड़े वर्गों और वंचित समुदायों के लिए शिक्षा और रोजगार में आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया, ताकि सामाजिक बराबरी स्थापित हो सके। मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के ये योगदान हमें निरंतर प्रेरित करते हैं। दिल्ली सरकार उनकी दूरदर्शिता से मार्गदर्शन लेकर समाज के हर वर्ग तक समान अवसर और सम्मान पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवा पर्व के दौरान सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मिलेगा बढ़ावा: अशोक गर्ग

● प्रत्येक उपभोक्ता को मिलेगी सब्सिडी

संवाददाता

गुरुग्राम। मंडल आयुक्त हिसार एवं प्रबंध निदेशक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम अशोक कुमार गर्ग के निर्देशानुसार सेवा पर्व के दौरान प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा मिलेगा। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में आवेदनों पर मिशन मोड में पूरा करने के लिए कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं को लक्षित किया जाएगा। सेवा पर्व के दौरान सूर्य घर योजना के संबंध में त्वरित रूफटॉप सौर ऊर्जा स्थापना की जाएगी। गुरुग्राम सर्कल एक के तहत 1366 और गुरुग्राम सर्कल दो के तहत 838 कनेक्शन रिलीज किया जा चुके हैं। लोगों की सुविधा के लिए उनके साथ सांझेदारी में जागरुकता और सुविधा शिविर, बैंक ऋण, विक्रेता बैठकें और क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित होगी, ताकि नागरिकों को सौर ऊर्जा

अपनाने के लिए जमीनी स्तर पर सहायता, वित्तपोषण और मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। सभी सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं से इस राष्ट्रीय योजना को आगे बढ़ाने में निरंतर समर्थन और सक्रिय भागीदारी की आशा है।

डीएचबीवीएन के प्रवक्ता के अनुसार पर्यावरण की बेहतरी और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए इस योजना का विस्तार और प्रसार आवश्यक है। अधिक से अधिक लोगों द्वारा सौर ऊर्जा को लगाना पर्यावरण अनुकूल वातावरण को बढ़ाने में सहयोग देना है। इसी उद्देश्य के साथ केंद्र और हरियाणा सरकार सौर ऊर्जा लगाने वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी भी मुहैया करवा रही है। सरकार की योजना के अनुसार एक किलोवाट पर 30 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपये, तीन किलो वाट पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी प्रत्येक उपभोक्ता को दी जा रही है। सभी संबंधित अभियंता अपने कार्यालय के तहत सौर ऊर्जा के आवेदन की प्रगति जांच करेंगे और शीघ्र ही लंबित आवेदनों को अनुमोदित करेंगे।

एवीएल-36 सोसायटी में गूंजे मां भगवती के भजन, भव्य झांकियां भी दिखीं

● कलाकारों ने धार्मिक गीतों पर नृत्य करके भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया

● मां वैष्णो देवी मंदिर के जैसा प्रतीकात्मक दरबार सजाया गया

संवाददाता

गुरुग्राम। नवरात्र के पर्व के उपलक्ष्य में यहां सेक्टर-36 स्थित एवीएल सोसायटी में माता की चौकी भजन संध्या आयोजित की गई। इस अवसर पर गोल्डन कलर में भव्य मां का दरबार सजाया गया। ज्योत प्रज्जवलित करके माता की चौकी का शुभारंभ किया गया।

माता की चौकी के अवसर पर कई दिन पहले से ही सोसायटी और मंदिर पार्क की बिजली की लडिय़ों से भव्य तरीके से सजाया गया। पूरे मंदिर पार्क में रोशनी की व्यवस्था की गई, ताकि माता की चौकी के अवसर पर किसी तरह की परेशानी

ना हो। मंदिर में भी सजावट की गई। मंदिर को विशेष तौर पर सजाया गया। इस अवसर पर कलाकारों ने धार्मिक गीतों पर नृत्य करके समां बांध दिया। गीतों पर भक्त भी जमकर झूमे। बच्चों, महिलाओं में सबसे अधिक उत्साह रहा। सभी ने जमकर डांस किया। माता की चौकी में कलाकारों द्वारा जीवंत झांकियां भी दिखाई गई। श्रीकृष्ण, राधा का नृत्य काफी मनमोहक रहा। श्रीकृष्ण जी के अलग-अलग रूपों में कलाकारों का नृत्य भी खास रहा। मोर पंखों के साथ श्रीकृष्ण बने कलाकार ने भी अमिट छाप छोड़ी। इस अवसर पर भोले के भक्तों के रूप में कलाकारों ने भी धमाल मचाया। विशालकाय शिवलिंग उठाकर लाए कलाकारों ने करीब एक घंटे तक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शेष नाग बने एक कलाकार ने भी धूम मचाई।

नवरात्र सुरक्षा संगिनी बन महिला पुलिस ने महिला सशक्तिकरण पर की कार्यशाला

● महिलाओं को सिखाए गए सुरक्षा के गुर

संवाददाता

गुरुग्राम। नवरात्र के पावन अवसर पर महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा को केंद्र में रखकर एक कार्यशाला नवरात्र सुरक्षा संगिनी का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल महिलाओं की सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि समाज में नारी सम्मान और नारी सशक्तिकरण के संदेश को नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

सब-इंस्पेक्टर पूनम एवं सब-इंस्पेक्टर मीना के नेतृत्व में टीम ने सतर्कता और आत्मरक्षा पर प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण दिया। उनके सेल्फ-डिफेन्स डेमोंस्ट्रेशन को दर्शकों ने खड़े होकर तालियों से सराहा। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता रही कि इसका आयोजन गुरुग्राम नगर निगम के पार्षद महावीर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी पूनम यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि-नारी का सम्मान ही सच्चा पूजन है और नारी की सुरक्षा ही

सच्ची साधना है। कार्यक्रम में महिला थाना पश्चिम गुरुग्राम से अधिकारियों सहित दुर्गा शक्ति टीम की आठ सदस्यीय टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई।मुख्य वक्ता संगीता दास ने महिलाओं की सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक और कानून दोनों का सही उपयोग ही महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। उन्होंने घरेलू हिंसा, स्टॉकिंग, कैट-कॉलिंग, वॉयूरिज्म, ईव-टीजिंग जैसे संवेदनशील मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। 112 इंडिया ऐप व ट्रिप मॉनिटरिंग जैसी सुविधाओं के प्रयोग पर विस्तार से जानकारी दी। यह कार्यशाला नवरात्र जैसे आध्यात्मिक पर्व पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को समर्पित रही। इसने यह संदेश दिया कि देवी पूजन केवल मंदिरों तक सीमित न रहकर, प्रत्येक नारी के सम्मान और सुरक्षा में परिलक्षित होना चाहिए।

राम भक्त ले चला राम की निशानी, अब इनकी छांव में रहेगी राजधानी...

● जैकबपुरा की श्री दुर्गा रामलीला में भरत मिलाप ने किया भाव-विभोर

संवाददाता

गुरुग्राम। यहां जैकबपुरा स्थित श्री दुर्गा रामलीला मंचन शुरू होने के साथ ही दर्शकों में भी भरत मिलाप की लीला देखने को उत्सुकता रही। रामलीला में राम-भरत मिलाप के क्षण बहुत ही भावुकता भरे रहे। दर्शक यह लीला देखकर भावुक हो गए। लीला में दिखा गया कि भरत राम को वापस अयोध्या लाने के लिए चल पड़ते हैं। यह समाचार सुनकर लक्ष्मण बहुत क्रोधित हो जाते हैं और श्री राम से कहते हैं कि जैसी माता, वैसा पुत्र। राजकुमार भरत अपनी सेना के साथ आप पर बड़े भाई राम पर हमला करने आ रहे हैं। वे यह सोचते हैं कि आप वन में अकेले हैं, हमारे पास कोई सैन्य शक्ति नहीं हैं। वे आसानी से हमें मारकर अयोध्या का राज्य हड़प लेंगे। तब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम लक्ष्मण को समझाते हुए कहते हैं कि शांत हो जाओ लक्ष्मण। भरत ऐसा नहीं हैं। उसके विचार बहुत ही उच्च हैं और उसका चरित्र बहुत ही अच्छा है। वो तो स्वप्न में भी अपने भाई के साथ ऐसा कुछ नहीं कर सकता। इस पर भी लक्ष्मण का क्रोध शांत नहीं होता और वे कहते हैं कि राजकुमार भरत

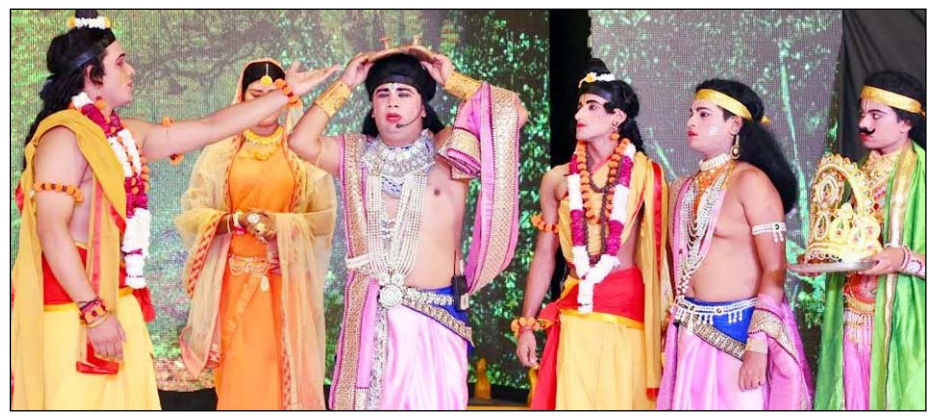

अपने उद्देश्य में कभी सफल नहीं होंगे। भरत अपने बड़े भाई राम से मिलने को आतुर हैं। जैसे ही राजकुमार भरत अपने बड़े भाई श्रीराम को देखते हैं तो उन्हें दण्डवत प्रणाम करते हैं। साथ ही साथ उनकी आंखों से अविरल अश्रुधारा बहती हैं। दोनों ही भाई आपस में मिलकर भावुक हो उठते हैं। भरत पिता राजा दशरथ की मृत्यु का समाचार श्री राम को देते हैं तो राम, सीता, लक्ष्मण की आंखों से आंसु बहने लते हैं। भगवान राम नदी के तट पर अपने पिता महाराज दशरथ को विधि-विधान अनुसार श्रद्धांजलि देते हैं और अपनी अंजुली में जल लेकर अर्पण करते हैं। भरत राम को अयोध्या चलने के लिए मनाते हैं, लेकिन राम पिता के वचनों को पूरा करने की बात कहकर इससे इंकार कर देते हैं। आखिर में भरत श्रीराम की चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या को चल पड़ते हैं। इसी दौरान गीत बजता है कि-राम भक्त ले चला राम की निशानी, अब इनकी छांव में रहेगी राजधानी..।

मैं भी चौकीदार की तरह अब भाजपा वाले मैं भी वोट चोर लिखेंगे क्या: पंकज डावर

● हरियाणा में बन रही थी कांग्रेस सरकार, भाजपा ने वोट चोरी कर लिये

● कांग्रेस रविवार 28 सितंबर को गुड़गांव में चलाएगी वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान

संवाददाता

गुरुग्राम। देश के चौकीदार कहलाने वाले पीएम को जब कांग्रेस ने चौकीदार चोर है की बात कही तो भाजपा का हर कार्यकर्ता अपने नाम के आगे मैं भी चौकीदार लगाकर बेदाग साबित करने के प्रयास में लग गए। अब कांग्रेस ने वोट चोरी होने पर वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाया है। अब भाजपा के नेता, कार्यकर्ता अपने नाम के आगे मैं भी चोर लिखेंगे क्या। यह देश के सामने आ चुका है कि भाजपा वोट चोरी करके अपनी सरकार बनाती है। हरियाणा में ऐसा ही हुआ। यह बात कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष पंकज डावर ने यहां कमान सराय स्थित कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि देश की संसद में विपक्ष के मजबूत नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। गुरुग्राम में विभिन्न क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जा चुका है। कल रविवार 27 सितंबर को गुरुग्राम शहर में वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाया जाएगा। सदर बाजार क्षेत्र में प्राचीन हनुमान मंदिर के पास सुबह 10:30

बजे कांग्रेस नेता पूर्व सांसद राज बब्बर, सहप्रभारी एवं आईसीसी सचिव जितेंद्र बघेल, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज समेत तमाम बड़े नेता, कार्यकर्ता एकत्रित होंगे। इसके बाद सदर बाजार से सोहना चौक तक वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत जुलूस निकाला जाएगा। पंकज डावर ने कहा कि 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक यह अभियान देशभर में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब आदरणीय राहुल गांधी जी के सिपाही हैं। उनके और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नेतृत्व में वोट चोरों से लड़ाई लड़ी जा रही है। देश की गरीब, आम जनता के हितों के लिए कांग्रेस पुरजोर तरीके से आवाज उठा रही है। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ नेता कुलराज कटारिया, मेयर प्रत्याशी रहीं सीमा पाहुजा, एससी सैल के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल धानक, अधिवक्ता सूबे सिंह यादव, कांग्रेस नेत्री सीमा हुड्डा, सुनीता वर्मा, महेंद्र सेन, कुलदीप बडग़ुज्जर, मनोज आहुजा, रमाकांत आदि मौजूद रहे। कांग्रेस जिला शहरी अध्यक्ष पंकज डावर ने जीएसटी उत्सव मना रही भाजपा पर एक बार फिर से तंज कसते हुए कहा कि जीएसटी के नाम पर भाजपा ने लूट की और अब उस लूट का यह उत्सव मनाया जा रहा है। देश की जनता भ्रमित करने का यह असफल प्रयास है। क्योंकि जनता भाजपा का चेहरा पहचान चुकी है। देश में धर्म के नाम पर लड़ाने वाली भाजपा के बहकावे में अब देश नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर जनता को गुमराह किया। उन्होंने भाजपा के नेताओं को चैलेंज देते हुए कहा कि वे पूरे शहर में एक किलोमीटर लंबी सडक़ ऐसा दिखा दें, जहां पर गड्ढे ना हों। यहां के विधायक के डाकखाना के पास कार्यक्रम में टूटी सडक़ में थोड़ी रोडिय़ां व तारकोल डालकर पैचवर्क कर दिया गया, जबकि पैचवर्क पूरा भी नहीं किया। यानी गड्ढा भरा तक नहीं। इस तरह के विकास पर भाजपा के जनप्रतिनिधि और उनके कार्यकर्ता, नेता कुछ नहीं बोलेंगे। पंकज डावर ने कहा कि बीजेपी सरकार गड्ढों की सरकार है। सबसे ज्यादा टैक्स और रेवेन्यू सरकार को देने के बाद भी अगर गड्ढों में रहना है तो फिर जनता समय का इंतजार कर रही है। अब जनता बहकावे में नहीं आएगी। क्योंकि जनता दुखी है। यहां सुबह से शाम तक दुख, तकलीफ जनता झेल रही है। उन्होंने कहा कि जो गड्ढे भाजपा के राज में यहां बने हैं, भविष्य में ये गड्ढे भाजपा सरकार के पतन का कारण बनेंगें। कांग्रेस जिला शहरी अध्यक्ष ने कहा कि आज जनता इतनी त्रस्त है कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर या फिर समस्याएं होने पर कांग्रेस के नेताओं को बुलाते हैं। भाजपा जनता से अपना विश्वास खो चुकी है। जुमलेबाज भाजपा के दिन अब लद रहे हैं।

2200 रुपये की जगह 2050 रुपये प्रति क्विंटल में बाजरे की खरीद अन्नदाता से धोखा: सुखबीर तंवर

● प्राइवेट लोग कम दाम में बाजरा खरीद रहे, सरकार को नहीं चिंता

संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुखबीर तंवर ने पटौदी जाटौली मंडी पहुंचकर बाजरा खरीद का जायजा लिया। जायजा लेने के बाद उन्होंने कहा कि पटौदी जाटौली मंडी में किसानों के साथ खुली लूट हो रही है। केंद्र सरकार ने बाजरे का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2775 प्रति क्विंटल तय किया है।

सुखबीर तंवर ने कहा कि सरकारी एजेंसियों द्वारा 2200 रुपये प्रति क्विंटल खरीद का निर्णय हुआ है। सरकार ने भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत 575 रुपया घोषित किया है, लेकिन हकीकत यह है कि किसानों का बाजरा मूल्य 2200 की बजाय प्राइवेट खरीद के माध्यम से 1950 से 2050 रुपये प्रति क्विंटल में लूट रहा है। अन्नदाता को 250 से 150 रुपया प्रति क्विंटल का सीधा नुक्सान हो रहा है। यह अन्नदाता के साथ विश्वासघात और लूट का प्रत्यक्ष उदाहरण है। सुखबीर तंवर ने कहा कि मंडियों में हालात इतने खराब हैं कि किसान अपनी फसल लेकर घंटों नहीं बल्कि कई कई दिन अपने बाजरे को लेकर मंडी में खड़े रहने को मजबूर है। तौल की मशीनें पर्याप्त नहीं हैं। 72 घंटे में भुगतान का दावा जुमला साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बाजरा बिक्री में धांधली और लूट चरम पर है। अन्नदाता को बाजरा आढ़तियों और दलालों को बेचने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। इस अवसर पर आढ़ती, मंडी अधिकारी, सत्यनारायण सरपंच, कुलदीप भारद्वाज, प्रदीप पंडित, महेश यादव एवं किसान उपस्थित थे।

नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में कचरा व पत्तों को जलाने पर निगम हुआ सख्ती

● निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने जारी किए आदेश

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में खुले में कचरा, सूखे पत्ते, बागवानी से संबंधित कचरा और अन्य अपशिष्ट जलाने की घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जताई है। निगम ने इस पर सख्त आदेश जारी करते हुए कहा है कि ऐसे कार्य न केवल स्वच्छता नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि प्रदूषण फैलाने के साथ ही नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी हैं।

निगमायुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी आदेश के अनुसार, खुले में कचरा जलाना ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद शहर में इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। निगमायुक्त ने सभी संयुक्त आयुक्तों को अपने-अपने जोनों में कड़ी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। आदेश में साफ कहा गया है कि किसी भी परिस्थिति में खुले में कचरा जलाने की अनुमति नहीं होगी। वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक और सहायक सफाई निरीक्षक स्तर के अधिकारी नियमित व अचानक निरीक्षण करेंगे।विशेष निगरानी कचरा संवेदनशील बिंदुओं, खाली भूखंडों, बाजार क्षेत्रों और सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंट्स पर की जाएगी। यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित फील्ड स्टाफ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उल्लंघन पर तुरंत चालान और जुर्माना

आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था या एजेंसी खुले में कचरा जलाते पकड़ी जाती है तो तुरंत चालान जारी किया जाएगा। चालान की संख्या, स्थान, उल्लंघन का प्रकार और वसूला गया जुर्माना आदि का रिकॉर्ड नियमित रूप से निगमायुक्त कार्यालय को भेजना अनिवार्य होगा। यदि किसी जोन से बार-बार उल्लंघन की शिकायतें आती हैं, तो संबंधित एसएसआई, एसआई और एएसआई को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा और उन पर कार्रवाई होगी।

साप्ताहिक रिपोर्ट देना अनिवार्य

सभी संयुक्त आयुक्तों को यह भी आदेश दिया गया है कि वे हर सप्ताह अनुपालन रिपोर्ट निगम कार्यालय को सौंपें। इसमें अपनाए गए निवारक उपाय, किए गए निरीक्षणों की संख्या, जारी किए गए चालान, उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई, समस्या वाले क्षेत्रों और उनके समाधान की जानकारी आदि शामिल होंगे। नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि बार-बार होने वाले उल्लंघनों की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गीता भवन की रामलीला में जुट रही है दर्शकों की बड़ी भीड़

संवाददाता

गुरुग्राम। न्यू कालोनी स्थित गीता भवन की श्रीसनातन धर्मसभा द्वारा दशहरा मैदान में आयोजित 78वें श्री रामलीला एवं दशहरा महोत्सव में स्वामी विश्वामित्र की राजा दशरथ से मुलाकात, श्रीराम-लक्ष्मण अपने साथ ले जाना, राक्षसों का वध करना, सीता स्वयंवर, भगवान श्री परशुराम-लक्ष्मण संवाद, सीता माता की विदाई आदि के दृश्य दर्शाए गए। रामलीला के चीफ डायरेक्टर सुरेंद्र खुल्लर एवं मुनीष खुल्लर का कहना है कि रामलीला में दर्शाया गया कि ऋषि विश्वामित्र अयोध्या में राजा दशरथ मुलाकात कर उन्हें वन में राक्षसों द्वारा ऋषि-मुनियों के साथ किए जा रहे बर्ताव से अवगत कराते हैं और ऋषियों की रक्षा के लिए श्रीराम व लक्ष्मण को

भेजने का आग्रह करते हैं। जिस पर राजा दशरथ श्रीराम व लक्ष्मण को उनके साथ भेज देते हैं। रास्ते में राम-लक्ष्मण का मारीच व उसके भाई सुबाहु के साथ युद्ध होता और मारीच व सुबाहू जान बचाकर भाग जाते हैं। उनका कहना है कि विश्वामित्र को जनकराज की पुत्री सीता के स्वयंवर का समाचार मिलता है। स्वयंवर में अनेक राजा-महाराजा आमंत्रित किए गए हैं। जो धनुष को तोड़ेगा, उसके साथ सीता का विवाह होगा। श्रीराम धनुष को तोड़ देते हैं और श्रीराम संग उनका विवाह हो जाता है। मुनीष खुल्लर ने बताया कि रामलीला के दौरान दशरथ का किरदार लक्ष्मण राघव, राजा जनक का किरदार तरुण चावला, विश्वामित्र का किरदार मनोज खरबंदा व परशुराम का किरदार राजेश खरबंदा द्वारा निभाया गया। श्रीराम के किरदार में मयंक चावला, सीता के किरदार में सुहानी गोसाई, लक्ष्मण के किरदार में साहिल तनेजा ने बखूबी निभाया।

टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

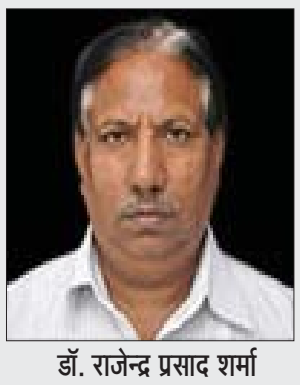

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई।

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। 1962 के युद्ध के कटु अनुभवों के बाद भारत ने अन्य विकल्प होते हुए भी सोवियत रुस के मिग-21 को प्राथमिकता दी। 1963 में चण्डीगढ़ में ही मिग ने भारतीय वायु सेना में प्रवेश किया और 26 सितंबर, 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सेनाप्रमुखों के बीच औपचारिक विदाई ली है। स्क्वाड्रनलीडर प्रिया सिंह ने अंतिम उड़ान भर कर मिग-21 को शानदार-यादगार विदाई दी। मिग-21 का 1965, 1971, करगिल, बालाकोट और ऑपरेशन सिन्दूर तक गौरवशाली इतिहास रहा है। हालांकि मिग-21 के उड़ान के दौरान हुई दुर्घटनाओं ने इसे उड़ता ताबूत ही नहीं विडो मेकर तक कहा जाने लगा। दरअसल पाकिस्तान से युद्ध के दौरान अमेरिका के एफ-16 युद्धक विमान को गिरा कर सारी दुनिया को इसने आश्चर्य में ड़ाल दिया था। 1971 में ढ़ाका में गर्वनर हाउस पर बमबारी कर अपनी मारका क्षमता का लोहा मनवा चुका है। भारतीय वायु सेना में 800 से अधिक मिग का बेड़ा रहा है। इनमें से करीब 400 मिग के दुर्घटनाग्रस्त होने और करीब 200 पायलट और 50 नागरिकों की मौत के कारण गति, शक्ति और रफ्तार के बावजूद मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से।

मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी

वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है।

मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निमार्ता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है।

फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरूआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

संपादकीय

जीएसटी और कर का बोझ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार जारी रहेंगे तथा अर्थव्यवस्था के और मजबूत होने पर नागरिकों पर कर का बोझ और कम होगा। ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का बृहस्पतिवार को उद्घाटन करने के बाद मोदी ने यह आस्ति दी। उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान सुधारों के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होने के साथ-साथ उसके पास लोकतांत्रिक और राजनीतिक स्थिरता भी है। जीएसटी में सुधार को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर पलटवार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए झूठ फैला रहे हैं। आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में 'टैक्स की लूट' मची थी। लूटे हुए धन की भी लूट होती थी। देश के आम नागरिकों को कर की मार से निचोड़ा जा रहा था। आज कांग्रेस समेत कुछ राजनीतिक दल देश के लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि नये जीएसटी रिफॉर्म से गरीब और मध्यम वर्ग, सभी की बचत हुई है।

समूचे देश में बचत उत्सव चल रहा है, और बाजार मजबूत से मजबूत हुए जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने कर को बड़े पैमाने पर कम किया है, और प्रयास किया है कि इसका लाभ आम जन तक पहुंचे और उसे महंगाई की मार से बचाया जाए। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को भी दोहराया। नागरिकों के सबल और सक्षम होने से इस लक्ष्य को सहज ही पाया जा सकता है। इसके साथ ही तथ्य यह भी है कि भारत वैश्विक व्यवधानों और अनिश्चितता के बावजूद विकास की दृष्टि से आकषर्क देश बना हुआ है। कोई भी व्यवधान भारत को पथ विचलित नहीं कर पा रहा है, बल्कि नई दिशा दिखाने वाला ही साबित हो रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को लाल किले के प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर जो अनेक घोषणाएं की थीं, उनमें देश के आर्थिक दृष्टिकोण से सबसे महत्त्वपूर्ण घोषणा जीएसटी में बड़े बदलाव को लेकर की गई घोषणा थी। कहा था कि जीएसटी में सुधारों के रूप में देशवासियों को दीपावली का तोहफा मिलने वाला है, जिससे करदाताओं और व्यवसाइयों के लिए कर-अनुपालन सरल बनेगा। साथ ही, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी घटेंगी। बेशक, मोदी सरकार ने जीएसटी को आम जनता और व्यापारियों, दोनों के लिए सरल और पारदर्शी बनाने का जो प्रयास किया है, उससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

चिंतन-मनन

सतोगुण और तमोगुण का फर्क

सतोगुण में ज्ञान के विकास से मनुष्य यह जान सकता है कि कौन क्या है, लेकिन तमोगुण तो इसके सर्वधा विपरीत होता है. जो भी तमोगुण के फेर में पड़ता है, वह पागल हो जाता है और पागल पुरुष यह नहीं समझ पाता कि कौन क्या है! वह प्रगति करने के बजाय अधोगति को प्राप्त होता है। वैदिक साहित्य में तमोगुण की परिभाषा दी गई है कि अज्ञान के वशीभूत होने पर कोई मनुष्य किसी वस्तु को यथारूप नहीं समझ पाता। उदाहरणार्थ, प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि मनुष्य मत्र्य है और मृत्यु ध्रुव है। फिर भी लोग पागल होकर धन संग्रह करते हैं और नित्य आत्मा की चिन्ता किये बिना अहर्निश कठोर श्रम करते हैं। अपने पागलपन में वे आध्यात्मिक ज्ञान में कोई उन्नति नहीं कर पाते। ऐसे लोग आलसी होते हैं। जब उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान में सम्मिलित होने के लिए आमत्रित किया जाता है, तो वे अधिक रुचि नहीं दिखाते। वे रजोगुणी व्यक्ति की तरह भी सक्रिय नहीं रहते। तमोगुण में लिप्त व्यक्ति का एक अन्य गुण यह भी है कि वह आवश्यकता से अधिक सोता है। ऐसा व्यक्ति सदैव निराश प्रतीत होता है और भौतिक द्रव्यों तथा निद्रा के प्रति व्यसनी बन जाता है।

इसके विपरीत सतोगुणी पुरुष अपने कर्म या बौद्धिक वृत्ति से उसी तरह सन्तुष्ट रहता है, जिस प्रकार दार्शनिक, वैज्ञानिक या शिक्षक अपनी-अपनी विधाओं में निरत रहकर सन्तुष्ट रहते हैं। रजोगुणी व्यक्ति सकाम कर्म में लग सकता है। वह यथासंभव धन प्राप्त करके उसे उत्तम कार्य में व्यय करता है। कभी-कभी वह अस्पताल खोलता है और धर्मार्थ संस्थाओं को दान देता है। लेकिन तमोगुणी तो अपने ज्ञान को ढक लेता है। तमोगुण में रहकर मनुष्य जो भी करता है, वह न तो उसके लिए, न किसी अन्य के लिए हितकर होता है। जब तमोगुण प्रधान होता है तो रजो तथा सतोगुण परास्त हो जाते हैं। यह प्रतियोगियता निरन्तर चलती रहती है। अतएव जो कृष्णभावनामृत में वास्तव में उन्नति करने का इच्छुक है, उसे इन तीनों गुणों को लांघना पड़ता है।

विश्व नदी दिवसः भारतीय संस्कृति का धरोहर है नदियों का जल

संजय गोस्वामी

प्राचीन भारतीय संस्कृति में माना गया है कि ब्रह्माण्ड में जितने भी प्रकार का जल है उसका हमें सरंक्षण करना चाहिए। नदियों के जल को सर्वाध्कि संरक्षणीय माना गया है क्योंकि वे कृषि क्षेत्र को सींचती है जिससे प्राणिमात्रा का जीवन चलता है।, वेदों में गंगा नदी और उसके जल का उल्लेख है, विशेष रूप से ऋग्वेद में नदियों के स्तुति सूक्त (नदीस्तुति) में इसका उल्लेख मिलता है। इसके अतिरिक्त, अन्य वेदों और धार्मिक ग्रंथों जैसे महाभारत और पुराणों में भी गंगा को एक पवित्र नदी और देवी के समान माना गया है, जिसके जल को अमृततुल्य, पवित्र और पापों का नाश करने वाला बताया गया है। वेदों में गंगा का उल्लेख ऋग्वेदः ऋग्वेद (10.75) में पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों के वर्णन में गंगा नदी का भी उल्लेख है। कुछ अन्य श्लोकों में भी इसका उल्लेख मिलता है, हालांकि यह विवादित है कि वह सीधे तौर पर नदी को संदर्भित करता है या नहीं। अन्य धार्मिक ग्रंथ और मान्यताओं में गंगा महाभारतः महाभारत के अनुसार, गंगाजल में हजारों चांद्रायण व्रत के समान पुण्यफल प्रदान करने की शक्ति है। पुराणः पुराणों में गंगा के प्रकट होने की कथा का वर्णन है, जिसमें राजा सगर के पुत्रों को मुक्ति दिलाने में गंगाजल की भूमिका बताई गई है। भगवद गीताः भगवद गीता में भी गंगा के गुणों का उल्लेख मिलता है और इसके जल में स्नान करने से शुद्ध होने पर जोर दिया गया है। हिंदू धर्म की मान्यताएंः गंगा नदी को सभी नदियों में श्रेष्ठ और तीर्थमयी माना जाता है। इसके दर्शन मात्र से ही पापों का क्षय होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। गंगाजल सभी प्रकार की कामनाओं को पूरा करने वाला और औषधियों से युक्त माना जाता है। गंगाजल को अमृततुल्य माना जाता है और इसका उपयोग सभी धार्मिक अनुष्ठानों में पवित्रता के लिए किया जाता है।ऋग्वेद और अथर्ववेद में अनेक नदियों का उल्लेख है। दोनों में 'सप्त सिंधवः' अर्थात साथ नदियों का अनेक बार उल्लेख है। अथर्ववेद में तो कहा गया है कि सात नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और सिंधु में मिलती है। इन्हें सिंधु की पत्नी और सिंधु की रानी भी कहा गया है। इन सात नदियों में पाँच तो पंजाब की ही है- शुतुद्री, विपाशा, इरावती, चन्द्रभागा तथा बितस्ता, जिन्हें आज क्रमशः सतलज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम कहा जाता है। इनके अतिरिक्त दो और हैं- सिंधु और सरस्वती। ये सातों मिलकर 'सप्तसिंधु' कही जाती हैं। सरस्वतीऋग्वेद में कहा गया है कि यह नदी पर्वत से निकलती है और समुद्र में मिलती है। अथर्ववेद में उल्लेख है कि देवों ने सरस्वती नदी के किनारे जौ की खेती की। वहाँ की भूमि अत्यन्त उर्वर थी। ऋग्वेद में इसकी बड़ी महिमा गाई गयी है। इसे सर्वोपरि देवी और सर्वोत्तम माता के तुल्य पूज्य बताया गया है। ब्राह्मणग्रंथों के अनुसार सरस्वती 'प्लक्ष प्रास्त्रवणं' नामक स्थान से प्रस्त्रावित हुई और 'विनशन' नामक स्थान पर लुप्त हुईं हैं। विनशन वर्तमान में कुरुक्षेत्र का सिरसा नामक स्थान है। यह थानेस्वर के पश्चिम में बहने वाली और भटमेर में रेगिस्तान में विलीन हो जाने वाली 'सरसुति' नदी हो सकती हैं, जिसमें पटियाला के समीप घग्घर नदी आ मिलती है। वहाँ से सिन्धु तक एक सूखी नदी का मार्ग या घग्घर नदी का निशान अब भी विद्यमान है। कुछ विद्वानों का मत है कि घग्घर नदी ही सरस्वती नदी कही जाती थी सरस्वती सतलज जैसी विशाल नदी थी और वह समुद्र तक पहुँचती थी।1 'सरस्वती, जो बड़ी भारी नदी है, बोधन (केतु) के द्वारा हमें ज्ञान के प्रति जागृत करती है और हमारे सब विचारों में प्रकाशित होती है।' यदि हम यहाँ 'बड़ी भारी नदी' इस मुहावरे को भौतिक अर्थ में लें और इससे पंजाब की भौतिक नदी समझें, जैसा कि सायण समझता है तो यहाँ हमें विचार और शब्द प्रयोग की एक बड़ी असंगति दिखाई पड़ने लगेगी। वस्तुतः इसका अभिप्राय है- अंतःप्रेरणा का भारी प्रवाह या समुद्र। सरस्वती सत्य की वह अंतःशक्ति है, जिसे हम अंतःप्रेरणा कहते हैं। सत्य से आने वाली यह अंतःप्रेरणा हमें संपूर्ण मिथ्यात्व से छुड़ाकर पवित्र कर देती है। इस प्राकर श्री अरविंद उक्त मंत्र का आध्यात्मिक अभिप्राय लेते हैं। वे उक्त मंत्र का अर्थ करते हैं- 'सरस्वती अन्तः प्रेरणा, प्रकाशमय समृद्धताओं से भरपूर है (वाजेभिर्वा जिनीवती)'। वह यज्ञ को धारण करती है। देव के प्रति दी गई मर्त्य जीव की क्रियाओं की छवि को धारण करती है। एक तो इस प्रकार कि वह मनुष्य की चेतना को जागृत करती है, (चेतन्ती सुमतीनाम्) जिससे वह चेतना या भावना की समुचित अवस्थाओं को और विचार की समुचित गतियों को पा लेती है, जो अवस्थाएँ और गतियाँ उस सत्य के अनुरूप होती हैं। जहाँ से सरस्वती अपने प्रकाश को ऊँड़ेला करती हैं और दूसरे इस प्रकार कि वह मनुष्य की उस चेतना के अन्दर उन सत्यों के उदय होने को प्रेरित करती हैं। (चोदयित्री सूनतानाम्) जो सत्य की वैदिक ऋषियों के अनुसार जीवन और सत्ता को असत्य, निर्बलता और सीमा से छुड़ा देते हैं और उसके लिए परमसुखद द्वारों को खोल देते हैं। इस सतत जागरण और प्रेरणा (चेतना और चोदन) के द्वारा जो केतु (बोधन) इस एक शब्द में संगृहीत है जिस केतु की वस्तुओं के मिथ्या मर्त्य दर्शन से भेद करने के लिए 'दैव्यकेतु' (दिव्य बोधन) करके प्रायः कहा गया है- सरस्वती मनुष्य की क्रियाशील चेतना के अंदर बड़ी भारी बाढ़ को या महा-गति को स्वयं सत्य चेतना को ही ला देती है, और इससे वह हमारे सब विचारों को प्रकाशमान कर देती है। (तीसरा मंत्र)। यह स्मरणीय है कि यह सत्य चेतना, वैदिक ऋषियों की यह सत्य चेतना एक अतिमानस स्तर है (मन से परे मनसतीत)। जीवन की पहाड़ी की सतह पर है- अद्रेः सानु। जो हमारी सामान्य पहुँच से परे है और जिस पर हमें बड़ी कठिनता से चढ़कर पहुँचना होता है। यह हमारी जागृति सत्ता का भाग नहीं है। यह हमसे छिपा हुआ अतिचेतन की निद्रा में रहता है। अब यह स्पष्ट हो गया कि इस ऋचा का क्या आशय है। यहाँ स्पष्ट कहा गया है कि सरस्वती अन्तःप्रेरणा की सतत क्रिया के द्वारा सत्य को हमारे विचारों में चेतना के प्रति जाग्रत कर देती है। इस प्रकार चाहे हम यह समझें कि यह बड़ा भारी प्रवाह 'महो अर्णः' स्वयं सरस्वती ही हैं और चाहे हम इसे सत्य का समुद्र समझें- यह एक निश्चयात्मक तथ्य है जो इस संदर्भ के द्वारा असंदिग्ध रूप से स्थापित हो जाता है कि वैदिक ऋषि जल के, नदी के या समुद्र के रूपक को आलंकारिक अर्थ में और एक आध्यात्मिक प्रतीक के रूप में प्रयुक्त करते थे। सारी ब्राह्मण परम्परा में सत्ता को स्वयंम् एक समुद्र के रूप में वर्णित किया गया है। वेद दो समुद्रों का वर्णन करता है- उपरले जल और निचले जल, ये समुद्र हैं- एक तो अवचेतन का जो अंधकार मय और अभिव्यक्ति रहित है और दूसरा अतिचेतन का, जो प्रकाशमय है और नित्य अभिव्यक्त है- पर मानव मन से परे। अतिचेतन और अवचेतन का समुद्र तथा इन दोनों के मध्य में प्राणी का जीवन -ये तीनों मिलकर सत्ता का रूप निरूपित करते हैं। सत्ता का यही है- वैदिक विचार। सरस्वती, जो सात नदियों में से एक है- अन्तःप्रेरणा की नदी है, जो सत्य चेतना से निकलकर बहती है। फिर यह भी स्पष्ट है कि शेष छह नदियाँ भी आध्यात्मिक प्रतीक हैं। इन नदियों के जो विशेषण हैं- वे भौतिक नदी में घटित नहीं होते। 'शवपवित्राः'- इस विशेषण के द्वारा और स्पष्ट हो जाता है। वामदेव द्वारा प्रयुक्त 'मधुमान ऊर्मिं'- मधुमय लहर इन्द्र द्वारा उन नदियों में से बहाकर लाई गई है जबकि इसका मार्ग पर्वतों पर वज्र द्वारा वृत्र का वध करके काटकर निकाला गया है। फिर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि जल सात नदियाँ हैं जो इन्द्र द्वारा वृत्र के अवरोधक के आच्छादक के पंजे से छुड़ाकर लाई गई हैं और नीचे को बहाकर पृथ्वी की और भेजी गई हैं। क्या ये पंजाब की नदियाँ हैं स्पष्ट ही ये सत्य और सुख के जल हैं जो उच्च परम समुद्र से प्रवाहित हैं। ये जल सत्य के सप्तविध जल हैं, दिव्यजल हैं जो हमारी सत्ता के उच्चतम शिखरों से इन्द्र द्वारा नीचे लाए गये हैं। ये सप्तविध जल ऊपर उठकर विशुद्ध मानसिक क्रियाएँ, द्युलोक की शक्तिशाली नदियाँ (दिवः यह्वीः) बन जाते हैं, औ? दिव्य मन की सात वाणियों के रूप में अपने को प्रकट करती हैं (सप्त वाणीः) यद्यपि ये भिन्न धाराएँ हैं- पर निकली एक ही उद्गम से हैं। वेद की सात नदियों को, जलों को, आपः को वेद की अलंकारिक भाषा में अधिकतर सात माताएँ या सात पोसक गौएँ 'सप्तधेनवः' कहकर भी प्रकट किया गया है। स्वयम् 'आपः' शब्द में ही दो अर्थ गूढ़ रूप से पड़े हुए हैं। अप धातु के मूल में केवल बहना अर्थ ही नहीं है जिससे बहुत सम्भवतः जलों का भाव लिया गया है किन्तु इसका एक और अर्थ 'जन्म होना' 'जन्म देना' भी है। सन्तान वाचक अपत्य शब्द में और दक्षिण भारत पिता अर्थ में प्रयुक्त 'अप्वा' शब्द में हम यही भाव देखते हैं। सात जल सत्ता के जल हैं। ये वे माताएँ हैं जिनसे सत्ता के सब रूप पैदा होते हैं। 'सप्त गावः' 'सप्तगुः' सात गौएँ या सात ज्योतियाँ का अर्थ देती हुई उक्त तथ्य का पोषण करतीं हैं। वेद में जिन नदियों का उल्लेख है, वे हैं- गंगा, यमुना, सरस्वती, शतुद्रि, परुष्णी, असिक्नी, मरुद्वृषा (चेनाव की एक सहायक नदी), वितस्ता, आर्जिकीया, सुषोमा। नदी सूक्त के ही अगले मंत्र में (10।75।6) सिन्धु की पश्चिमी सहायक नदियों का उल्लेख है- अथर्ववेद और ऋग्वेद में 90 और 99 नदियों का उल्लेख है। ऋग्वेद से ज्ञात होता है कि सप्त सिंधुओं में मिलने वाली छोटी पहाड़ी नदियाँ भी हैं। अथर्ववेद और ऋग्वेद में इनको 'नाव्याः' अर्थात् नौका से तरण योग्य बताया है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में कहीं दो, कहीं तीन और कहीं चार समुद्रों का उल्लेख मिलती है।

निवेश का आकर्षण- व्यापार में सुगमता जरूरी

डॉ. सौम्य कांति घोष

हाल में वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत पर भरोसा दोहराया है। यह भरोसा भारत की अर्थव्यवस्था की उस मजबूत संरचना को साबित करता है, जो पिछले कुछ वर्षों में कठिन मेहनत से तैयार की गई है। इससे व्यापार को लेकर उठने वाला संदेह और शोर-शराबा भी शांत हुआ है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि संपत्ति का बराबर बंटवारा हो और सभी को समान अवसर मिलें, सरकार ने 'बारबेल रणनीति' अपनाई है। इसके तहत नीतियों और नियमों में कई तरह के सुधार किए जा रहे हैं ताकि ईज ऑफ बिजनेस के अलग-अलग स्तंभ मजबूत हों। साथ ही, बड़े पैमाने पर औपचारिकीकरण, वित्तीयकरण और तकनीकी एकीकरण को जरूरी बनाया गया है।

यह निवेश आकर्षित करने और अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए अनिवार्य है। महामारी के बाद भू-राजनीतिक हालात ने मैन्युफैक्चरिंग के तरीके बदलने की जरूरत पैदा कर दी। इसी के चलते भारत ने एक नई राह पकड़ी है, जहां 'ईज ऑफ एग्जिट' यानी व्यापार से बाहर निकलने की आसानी पर जोर दिया जा रहा है। यह निवेशकों के लिए अहम है क्योंकि वे पूंजी लगाते समय इस सुविधा को देखते हैं। साल 2000 से अब तक भारत में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का एफडीआई आया है, जिसमें सेवाएं, तकनीक और टेलीकॉम जैसे क्षेत्र सबसे ज्यादा लाभान्वित हुए हैं (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही तक ही लगभग 25 अरब डॉलर निवेश आया है)। जब सेबी विश्वसनीय विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की स्वचालित एवं सामान्यीकृत पहुंच (स्वागत-एफआई) लागू करता है, कम जोखिम वाले माने जाने वाले प्रमुख विदेशी निवेशकों के लिए पहुंच को सरल बनाता है, या आरबीआई फेमा दिशा-निर्देशों में बहुप्रतीक्षित बदलाव लाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में रुपये का उपयोग बढ़ता है, तो अटलांटिक पार से आने वाली हलचलें अविस्मरणीय होती हैं। संस्थागत सुधारों की सफलता आईबीसी, संपत्ति पुनर्निर्माण, इंख फाइनेंसिंग और बैंकिंग, बीमा व वित्तीय सेवाओं में 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल के रूप में दिखती है। इन क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल इसे और मजबूत बना रहा है। जनसंख्या के पैमाने पर कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं, जैसे पीएमएवाई (3.2 करोड़ घरों को मंजूरी), मुद्रा (कुल 52 करोड़ से अधिक खातों में 33.65 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए गए जिसमें 68प्र. महिला उद्यमी हैं), पीएम-स्वनिधि (96 लाख से अधिक ऋण खातों के माध्यम से 68 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को कवर किया गया), उद्यम (उद्यम सहायता पोर्टल की गणना करते हुए 6.86 करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकरण), श्रम सुविधा (2018 से 6.63 लाख ईएसआईसी पंजीकरण, 6.49 लाख ईपीएफओ पंजीकरण और फर्मों द्वारा 1.29 लाख अनुबंध श्रमिक पंजीकरण के साथ श्रम और रोजगार पोर्टल का अनुपालन), स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकीकृत आवासीय संपत्ति स्वामित्व समाधान जिसमें 93.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है), नक्शा (प्रारंभ में 150 शहरों में पायलट कार्यक्रम के साथ शहरी भूमि पार्सल का व्यापक, जीआईएस-एकीकृत डेटाबेस, जिसे पूरे भारत में 4,912 शहरी स्थानीय निकायों तक विस्तारित किया जाएगा), एसएएससीआई (केंद्र से राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त ऋण) और औपचारिकीकरण भी लगातार बढ़ रहा है।

इन सारी योजनाओं ने मिल कर भारत की मेहनत और लचीलापन, दोनों को नई ताकत दी है। इससे पहले शुरू की गई कई योजनाओं को मजबूती मिली है, स्मार्ट सिटी मिशन से लेकर हर घर जल, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाई), पीएम किसान सम्मान निधि से लेकर आयुष्मान भारत योजना तक। इन योजनाओं का असर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि नये निवेश को आगे बढ़ाने और सहारा देने में भी दिख रहा है। 2014-15 से अब तक मुख्य बोर्ड पर 764 सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ, एफपीओ, ओएफएस आदि) और एसएमई प्लेटफॉर्म

पर 1200 से ज्यादा निर्गम (इस साल तक) हुए हैं। इसने साबित किया है कि पूंजी बाजार निवेशकों को आसानी से 'एग्जिट' का रास्ता देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पूंजी के इस चक्रीय प्रवाह और उसके गुणक प्रभाव से सुनिश्चित होता है कि नई और छोटी कंपनियां भी फंडिंग तक पहुंच बना सकें। भारत को वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों (उभरते बाजारों के सूचकांकों से महत्वपूर्ण क्षण) में शामिल करने पर विचार किया जा रहा है, जिसके लिए हमारे ऋण बाजार को नये सिरे से संतुलित करना जरूरी होगा होगा। बहुआयामी ढांचे (एनआईपी, एनएमपी, पीएम गति शक्ति) के लिए बड़े स्तर पर फंडिंग की आवश्यकता होगी। इसलिए भारतीय कंपनियों को वैश्विक सोच अपनानी होगी। भारतीय प्रवासी समुदाय को साथ जोड़कर साझी प्रगति की दिशा में बढ़ना होगा।

(लेखक भारतीय स्टेट बैंक के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर हैं। लेख में विचार निजी हैं)

ब्रिक्स देशों ने बैठक में व्यापार पर लगने वाले ऊंचे टैरिफ पर जताई गहरी चिंता

व्यापार को खराब कर सकती हैं, इससे विकासशील देशों को हो सकता है नुकसान

न्यूयॉर्क

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने बैठक में व्यापार पर लगने वाली सख्त पाबंदियों पर गहरी चिंता जताई। इन देशों का मानना है कि ऊंचे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं दुनिया के व्यापार को खराब कर सकती हैं। इससे विकासशील देशों को नुकसान हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र चल रहा था। यह बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। भारत ने इसकी अध्यक्षता की, क्योंकि अगले साल भारत ब्रिक्स का चेयर बनेगा। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि बिना सोचे-समझे टैरिफ बढ़ाना और प्रोटेक्शनिज्म की नीतियां गलत हैं। ये कदम जबरदस्ती के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इससे वैश्विक व्यापार कम हो सकता है। सप्लाई चेन टूट सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता फैल सकती है। मंत्रियों ने चेतावनी दी कि ऐसी एकतरफा कार्रवाइयां विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है। ये वैश्विक व्यापार को बांट सकती हैं। ग्लोबल साउथ के देशों को किनारे कर सकती हैं। वे चाहते हैं कि ऐसी प्रथाओं से बचा जाए। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मेजबानी की। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। आजकल प्रोटेक्शनिज्म बढ़ रहा है। टैरिफ में उतार-चढ़ाव हो रहा है। गैर-टैरिफ बाधाएं व्यापार को प्रभावित कर रही हैं।जयशंकर ने

एक्स पर पोस्ट में लिखा कि अशांत दुनिया में ब्रिक्स को शांति निर्माण, बातचीत, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून का संदेश मजबूत करना चाहिए। ब्लॉक को संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की आवाज बुलंद करनी चाहिए। खासकर सुरक्षा परिषद में बदलाव जरूरी हैं।

भारत में परफॉर्मेंस वीएलएफ मॉबस्टेर लॉन्च

नई दिल्ली

भारत में वीएलएफ कंपनी ने अपना पहला आईसीई (इंटरनल कंबशन इंजन) परफॉर्मेंस वीएलएफ मॉबस्टेर लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर सीधे अप्रीलिया एसआर 175 और टीवीएस एनटॉर्क 150 जैसे प्रीमियम स्कूटर्स को टक्कर देने के लिए तैयार है।

इसकी शुरुआती कीमत 1.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, इंट्रोडक्टरी) रखी गई है। वीएलएफ मॉबस्टेर को मशहूर इटैलियन डिज़ाइनर अलेसांड्रो टारटारीनी ने डिजाइन किया है। इसका लुक एग्रेसिव और स्पोर्टी है, जिसमें फ्रंट में ट्विन एलईडी हेडलैम्प्स और डीआरएलएस, लंबी फ्लाईस्क्रीन और एक्सपोज़्ड हैंडलबार शामिल हैं। स्पोर्टी सीट और 12-इंच के अलॉय व्हील्स इसे स्ट्रीटफाइटर बाइक्स जैसी उपस्थिति देते हैं। स्कूटर दो कलर ऑप्शन रेड और ग्रे में उपलब्ध है और यह खासतौर पर युवाओं को टारगेट करता है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले (ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ), इल्युमिनेटेड स्विचगियर, कीलेस इग्निशन, ऑटो स्टार्ट/स्टॉप और ऑल-एलईडी लाइटिंग जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं।

खास बात यह है कि यह अपनी कैटेगरी का पहला 125सीसी स्कूटर है जिसमें स्विचेबल डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल मौजूद हैं। वीएलएफ मॉबस्टेर में 125सीसी का सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो 12 बीएचपी की पावर और 11.7 एनएम टॉर्क देता है।

1.30 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर मिलने वाला यह स्कूटर फीचर्स, डिजाइन और परफॉर्मेंस के मामले में प्रीमियम सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनता है।

होंडा सीबी300आर की कीमत घटी

अब 2.19 लाख में उपलब्ध

नई दिल्ली

बीते दिनों होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने घोषणा की थी कि वह 350सीसी से कम कैपेसिटी वाली अपनी मोटरसाइकिल और स्कूटर्स पर जीएसटी का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। इस लिस्ट में शुरुआत में सीबी300आर शामिल नहीं थी, लेकिन अब होंडा ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी कीमत को रिवाइज्ड कर दिया है। अब होंडा सीबी300आर की एक्स-शोरूम कीमत 2.19 लाख रुपए हो गई है, जो पहले 2.40 लाख रुपए थी। इससे कुल 21,000 रुपए की बड़ी कटौती हुई है। इस अपडेट के बाद सीबी300आर अब केटीएम 250 ड्यूक (2.12 लाख रुपए), ट्रायम्फ स्पीड 400 (2.50 लाख रुपए) और टीवीएस अपाचे आरटीआर 310 (2.21 लाख से 2.87 लाख रुपए) जैसे कॉम्पिटिटर्स के मुकाबले ज्यादा किफायती विकल्प बन गई है। इस मोटरसाइकिल में 286सीसी का सिंगल-सिलेंडर, डीओएचसी, लिक्विड-कूल्ड इंजन लगा है, जो 31 हॉर्सपावर और 27.5 एनएम टॉर्क देता है। इंजन स्लिप और असिस्ट क्लच वाले 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है।

पहले सीबी300आर की कीमत 2.77 लाख रुपए थी, जिसे स्थानीय उत्पादन बढ़ने के चलते घटाकर 2.40 लाख रुपए किया गया था। अब जीएसटी रिवाइज्ड के चलते यह और भी सस्ता हो गया है। इस कदम से सीबी300 आर अपने सेगमेंट में बेहतरीन वैल्यू फॉर मनी विकल्प बन गई है, जो कीमत, पर्फॉर्मेंस और फीचर्स का संतुलित मिश्रण पेश करती है। हालांकि, सीबी300आर को इस कटौती का फायदा मिला है, वहीं होंडा के अन्य बिगविंग मॉडल जैसे एनएक्स500, रेबेल 500 और सीबीआर650आर की कीमतों में जीएसटी रिवाइज्ड के बाद वृद्धि हुई है।

आइलाइन खरीदी में बंपर उछाल

अमेजन ने 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी

नई दिल्ली

जीएसटी कटौती के कारण मौजूदा त्यौहारों में उपभोक्ता अधिक खरीदारी कर रहे हैं। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्यौहारी मांग 23-25 प्रतिशत तक बढ़ी है। जीएसटी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी महंगी श्रेणियों में कीमत कम हुई है। नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी सुधारों ने बड़े स्क्रीन वाले टीवी, मध्यम श्रेणी के फैशन और फर्नीचर सहित कई श्रेणियों में जीएसटी कर दरों में कमी की है। इससे उपभोक्ताओं को सीधे मूल्य लाभ मिला है। इन बदलावों ने खरीदारों को छूट की तलाश से आगे बढ़कर अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे मझौले और छोटे शहरों से भागीदारी बढ़ी है और सोच-विचार कर किए जाने वाले खर्च में वृद्धि को बढ़ावा मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार बड़े टीवी पर जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत करने से खुदरा कीमतों में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। इससे प्रीमियम मॉडल की मांग बढ़ी है। इसतरह 2,500 रुपये से कम कीमत वाली फैशन वस्तुओं पर अब सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, इससे इस परिधानों की खरीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह फर्नीचर की बिक्री भी बढ़ी है। पहले दो दिनों की बिक्री में सालाना आधार पर 23-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी 2.0 सुधारों और त्यौहारी माहौल की दोहरी ताकतों ने प्रीमियम स्मार्टफोन और टीवी की खरीदारी में तेजी ला दी। रिपोर्ट में कहा गया कि मांग इतनी ज्यादा थी कि कुछ एप बहुत धीमे हो गए और ऑर्डर देने की कोशिश के कुछ ही मिनटों में क्रैश हो गए। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने अपनी त्यौहारी सेल के पहले दो दिनों में 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी है।

देश की 10 बड़ी कंपनियों का मार्केट कैप 2,99,661.36 करोड़ रुपए घटा

अमेरिकी फैसलों और रुपए की कमजोरी ने निवेशकों का विश्वास कमजोर किया

नई दिल्ली

बीते हफ्ते शेयर बाजार में आई गिरावट ने देश की सबसे बड़ी कंपनियों के निवेशकों को झटका दिया। देश की 10 बड़ी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2,99,661.36 करोड़ रुपए घट गया। यह नुकसान ऐसे समय में हुआ जब वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर अनिश्चितताएं बनी हैं। इस दौरान आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर सबसे ज्यादा असर हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 97,597.91 करोड़ घटकर 10,49,281.56 करोड़ पर आ गया।

बीते हफ्ते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 2,199.77 अंक यानी 2.66फीसदी गिरकर बंद हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी नीतिगत फैसलों और रुपए की कमजोरी ने निवेशकों का विश्वास कमजोर किया है। एक कंपनी के सीईओ ने कहा कि अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा फीस में बड़ी बढ़ोतरी से टेक्नोलॉजी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली। इसके साथ ही भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निचले स्तर पर पहुंच गया, जिससे विदेशी निवेशकों का रुख सतर्क हो गया। वहीं अमेरिका द्वारा ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा आयात पर 100

फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले से भी बाजार पर बुरा असर पड़ा है।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 40,462.09 करोड़ घटकर 18,64,436.42 करोड़ पर आ गया, लेकिन इसके बावजूद वह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

ट्रंप की विदेशी नीतियों से तबाह हुआ भारतीय शेयर बाजार

5 दिन में 16 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली शेयर बाजार पिछले एक हफ्ते में तगड़ी गिरावट देखने को मिली है। सिर्फ 5 दिन में ही निवेशकों की वैल्यूवेशन 16 लाख करोड़ घट गई। शुक्रवार को करीब 7 लाख करोड़ रुपये की कमी आई, जो पूरे हफ्ते के दौरान सबसे बड़ी गिरावट रही। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 733.22 अंक गिरकर 80,426.46 पर क्लोज हुआ, जबकि निफ्टी4 236.15 अंक गिरकर 24,654.70 पर बंद हुआ। वहीं 1 सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 2,097.63 अंक या 2.54 प्रतिशत और निफ्टी 631.80 अंक या 2.50 प्रतिशत गिर चुका है। बैंक निफ्टी में भी भारी गिरावट नजर आई है। इस सप्ताह में मार्केट हर सत्र में निचले स्तर पर बंद हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप इस दौरान 16 लाख करोड़ रुपये कम हुआ है। हफ्ते की शुरुआत में ही अमेरिका के एच-1बी वीजा का सीधा असर भारत के इक्विटी मार्केट दिखाई दिया था। सोमवार को भारतीय आईटी कंपनियों के शेयर में वीजा फीस की वजह से तगड़ी गिरावट देखने को मिली थी, जिस कारण आईटी सेक्टर पूरे हफ्ते गिरावट पर रहा।

रेनो ट्राइबर अब 5.73 लाख से 8.60 लाख रुपये में उपलब्ध

नई दिल्ली भारत में रेनो कंपनी की ट्राइबर 2025 फेसलिफ्ट, अब 5.73 लाख रुपये से 8.60 लाख रुपये की कीमत पर उपलब्ध है। रेनों की किफायती 7-सीटर एमपीवी 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो 71बीएचपी की पावर और 96एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। गियरबॉक्स के तौर पर 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी दोनों विकल्प मिलते हैं, साथ ही वैकल्पिक सीएनजी फिटमेंट का भी ऑप्शन दिया गया है। रियल-वर्ल्ड टेस्टिंग में एएमटी वर्जन की फ्यूल एफिशियंसी का पता चला है। सिटी ड्राइव में 73 किलोमीटर की राइड के दौरान 5.35 लीटर पेट्रोल की खपत हुई, जिससे माइलेज 13.64 केएमपीएल निकला। वहीं, हाईवे ड्राइव पर 82 किलोमीटर की दूरी में 4.59 लीटर तेल खपत हुई, जो 17.86 केएमपीएल का माइलेज देती है। ओवरऑल एवरेज, यानी सिटी और हाईवे को मिलाकर, ट्राइबर एएमटी का एवरेज माइलेज 14.69 केएमपीएल रहा। इसमें 40-लीटर का फ्यूल टैंक होने के कारण, यह एमपीवी एक फुल टैंक में लगभग 587 किलोमीटर का सफर तय कर सकती है। ट्राइबर एएमटी खासतौर पर उन खरीदारों के लिए सही विकल्प है जो कम बजट में 7-सीटर कार चाहते हैं।

अक्टूबर में शनिवार-रविवार मिलाकर 11 दिन बंद रहेगा शेयर मार्केट

दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग होगी वह भी महज एक घंटे के लिए

नई दिल्ली अक्टूबर में कई छुट्टियां हैं, जिसकी वजह से उस दिन सेंसेक्स और निफ्टी का कारोबार भी नहीं होगा। इस साल अक्टूबर के महीने में सेंसेक्स और निफ्टी शनिवार और रविवार को मिलाकर कुल 11 दिन बंद रहेंगे। बीएसई और एनएसई की तरफ से जारी कैलेंडर के मुताबिक अक्टूबर के महीने में 3 दिन ऐसे हैं जब शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। इसमें दिवाली भी शामिल है। बता दें, दिवाली के दिन मार्केट में सामान्य कारोबार नहीं होता है। इस दिन मूहूर्त ट्रेडिंग होती है। वह भी महज एक घंटे के लिए। एनएसई के कैलेंडर के मुताबिक 2 अक्टूबर को दशहरा और महात्मा गांधी जयंती की छुट्टी रहेगी। 21 अक्टूबर को दिवाली और लक्ष्मी पूजा और 22 अक्टूबर को दिवाली और बलिप्रतिपदा की छुट्टी रहेगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज और करेंसी डेरिवेटिव्स भी इन तीन दिनों के दौरान बंद रहेंगे। 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती और दशहरा की छुट्टी रहेगी। 21 अक्टूबर दिवाली लक्ष्मी पूजा की छुट्टी, 22 अक्टूबर को बलिप्रतिपदा की छुट्टी, 5 नवंबर को प्रकाश गुरुपर्व श्री गुरु नानक देव की छुट्टी, 25 दिसंबर क्रिसमस की छुट्टी रहेगी। एनएसई और बीएसई की तरफ से जारी सर्कुलर के मुताबिक 21 अक्टूबर मूहूर्त ट्रेडिंग होगी। दिवाली मूहूर्त ट्रेडिंग की टाइमिंग दोपहर 1.45 से 2.45 है। बता दें 2024 में मूहूर्त ट्रेडिंग मजबूती के साथ बंद हुआ था। तब सेंसेक्स 335 अंक या फिर 0.42 फीसदी की तेजी के साथ 79,724 अंक पर बंद हुए थे।

शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता रोमांचक होगा

आईपीओ की होगी बारिश

नई दिल्ली

अगला हफ्ता शेयर बाजार के लिए काफी रोमांचक रहने वाला है। मेनबोर्ड और एसएमई प्लेटफॉर्म पर कई नए आईपीओ और शेयर लिस्टिंग का दौर शुरू होने वाला है। चार बड़े आईपीओ और 16 छोटे आईपीओ निवेशकों के लिए अच्छा मौका है। ग्लोटिस, ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स, फैबटेक टेक्नोलॉजीज और एडवांस एग्रोलाइफ जैसी कंपनियां करोड़ों रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतर रही हैं, जबकि चिरहरित, सोधानी कैपिटल, विजयपीडी सीयुटिकल, ओम मेटालॉजिक और सुबा होटल्स जैसे छोटे आईपीओ भी बाजार में उपलब्ध होंगे।

इसके साथ ही अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स, गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, शेषासाई टेक्नोलॉजीज, सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस और आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स जैसी कंपनियों की लिस्टिंग से बाजार में नया उत्साह देखने को मिलेगा। इस हफ्ते निवेशकों के लिए अवसर और रणनीति तय करने का सही समय है, क्योंकि नए इश्यू और लिस्टिंग से बाजार में खरीद-बिक्री की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

ग्लोटिस कंपनी अपना आईपीओ लेकर आ रही है। ये कंपनी 307 करोड़ रुपए जुटाने की सोच रही है। इसमें 160 करोड़ रुपए का ताजा इश्यू शामिल है और 147 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल। इस इश्यू की कीमत बैंड 120 से 129 रुपए प्रति शेयर तय की गई है। सब्सक्रिप्शन की विंडो 29 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलेगी। शेयरों की लिस्टिंग 7 अक्टूबर को हो सकती है।

ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स भी बाजार में उतर रही है। इसका आईपीओ साइज 122.31 करोड़ रुपए है, जो ज्यादातर ऑफर फॉर सेल के जरिए आएगा। बोली लगाने का तीन दिन का समय 29 सितंबर से शुरू होगा और 3 अक्टूबर को खत्म होगा। इश्यू की कीमत बैंड 128 से 135 रुपए प्रति शेयर तय की गई है। लिस्टिंग की तारीख 8 अक्टूबर रखी गई है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 230.35 करोड़ रुपए का है। ये पूरी तरह से ताजा इक्विटी इश्यू है। शेयरों की कीमत 181 से 191 रुपए के बीच रखी गई है। आईपीओ सोमवार यानी 29 सितंबर को खुलेगा और 1 अक्टूबर को बंद होगा। शेयर बाजार में लिस्टिंग 7 अक्टूबर को हो सकती है।

इसके अलावा एग्रीबिजनेस पर फोकस करने वाली एडवांस एग्रोलाइफ कंपनी 192.86 करोड़ रुपए जुटाने वाली है। ये भी पूरी तरह से ताजा इश्यू है। बोली लगाने का समय 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक है। कीमत बैंड 95 से 100 रुपए प्रति शेयर है। लिस्टिंग 8 अक्टूबर को होगी।

देश की बिजली व्यवस्था मजबूत करने पावरग्रिड ने दो बड़े प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए तो दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का

नई दिल्ली पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने देश की बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए दो बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई। इनकी कुल लागत 705.51 करोड़ रुपए है। कंपनी की निवेश समिति ने 26 सितंबर को हुई बैठक में इन योजनाओं को मंजूरी दी। ये प्रोजेक्ट नेशनल ग्रिड को बेहतर बनाने और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में मदद करेंगे। पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए का है। इसके तहत देश के पांचों क्षेत्रीय ग्रिड्स- उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी- में वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल सिस्टम (वीओआईपी) लगाया जाएगा। यह सिस्टम बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को चलाने में बेहतर तालमेल और दक्षता लाएगा। इस प्रोजेक्ट का काम 23 अगस्त, 2026 तक पूरा होने की संभावना है। वीओआईपी सिस्टम से ग्रिड ऑपरेटर्स के बीच बातचीत आसान होगी। इससे बिजली आपूर्ति की निगरानी और प्रबंधन में सुधार होगा। दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का है। इसके तहत मेक इन इंडिया पहल के तहत 20 सेट (300 टावर) इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम (ईआरएस) खरीदे जाएंगे। यह सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं या बुनियादी ढांचे में खराबी के दौरान बिजली लाइनों को जल्द ठीक करने में मदद करेगा। इस प्रोजेक्ट का काम 19 अप्रैल, 2027 तक पूरा होगा। ईआरएस सिस्टम देश की बिजली आपूर्ति को और भरोसेमंद बनाएगा। खासकर तूफान, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदाओं में यह सिस्टम तेजी से काम करेगा। पावरग्रिड का कहना है कि ये दोनों प्रोजेक्ट देश की बिजली व्यवस्था को आधुनिक बनाने में अहम भूमिका अदा करेंगे।

ये निवेश भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में भी बड़ा कदम हैं।

कंपनी का फोकस नेशनल ग्रिड को और मजबूत करने पर है ताकि बिजली आपूर्ति में किसी तरह की रुकावट न आए। ये प्रोजेक्ट पावरग्रिड की दूरदर्शी सोच को दिखाते हैं।

देश की बिजली व्यवस्था मजबूत करने पावरग्रिड ने दो बड़े प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए तो दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का

नई दिल्ली पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने देश की बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए दो बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई। इनकी कुल लागत 705.51 करोड़ रुपए है। कंपनी की निवेश समिति ने 26 सितंबर को हुई बैठक में इन योजनाओं को मंजूरी दी। ये प्रोजेक्ट नेशनल ग्रिड को बेहतर बनाने और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में मदद करेंगे। पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए का है। इसके तहत देश के पांचों क्षेत्रीय ग्रिड्स- उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी- में वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल सिस्टम (वीओआईपी) लगाया जाएगा। यह सिस्टम बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को चलाने में बेहतर तालमेल और दक्षता लाएगा। इस प्रोजेक्ट का काम 23 अगस्त, 2026 तक पूरा होने की संभावना है। वीओआईपी सिस्टम से ग्रिड ऑपरेटर्स के बीच बातचीत आसान होगी। इससे बिजली आपूर्ति की निगरानी और प्रबंधन में सुधार होगा। दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का है। इसके तहत मेक इन इंडिया पहल के तहत 20 सेट (300 टावर) इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम (ईआरएस) खरीदे जाएंगे। यह सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं या बुनियादी ढांचे में खराबी के दौरान बिजली लाइनों को जल्द ठीक करने में मदद करेगा। इस प्रोजेक्ट का काम 19 अप्रैल, 2027 तक पूरा होगा। ईआरएस सिस्टम देश की बिजली आपूर्ति को और भरोसेमंद बनाएगा। खासकर तूफान, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदाओं में यह सिस्टम तेजी से काम करेगा। पावरग्रिड का कहना है कि ये दोनों प्रोजेक्ट देश की बिजली व्यवस्था को आधुनिक बनाने में अहम भूमिका अदा करेंगे। ये निवेश भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में भी बड़ा कदम हैं। कंपनी का फोकस नेशनल ग्रिड को और मजबूत करने पर है ताकि बिजली आपूर्ति में किसी तरह की रुकावट न आए। ये प्रोजेक्ट पावरग्रिड की दूरदर्शी सोच को दिखाते हैं, जो बदलते हालात और चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं।

जीएसटी दरें कम होने के बाद सस्ते हुए कई कंपनियों के मॉडल

नई दिल्ली नई जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद देश में कई कंपनियों के पसंदीदा एसयूवी मॉडलों की कीमतों गिरावट आई है। इन प्रमुख मॉडलों में किआ, महिंद्रा और टाटा के ऐसे पांच मॉडल शामिल हैं, जिनकी मांग हमेशा मजबूत रही है। अब ये 1.35 लाख से 1.86 लाख रुपए तक सस्ते हो गए हैं। सबसे अधिक छूट किआ सिरोस को मिली है। एचटीएक्स प्लस (ओ) एटी वैरिएंट पर 1.86 लाख रुपए तक की कटौती हुई है, जिससे यह प्रीमियम अनुभव और शक्तिशाली इंजन के साथ ज्यादा आकर्षक विकल्प बन गया है। वहीं, किआ सोनेट के जीटीएक्स प्लस एटी वैरिएंट पर 1.64 लाख रुपए तक की छूट मिली है, जिससे यह सब-4 मीटर एसयूवी बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करता है। महिंद्रा की कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ के एएक्स7एल वैरिएंट की कीमत में 1.56 लाख रुपए तक की कमी आई है। मजबूत बनावट और परफॉर्मेंस के साथ अब यह और भी किफायती विकल्प बन गई है। भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सन के फेयरलैस प्लस पीएस डीके वैरिएंट की कीमत में 1.55 लाख रुपए तक की कटौती हुई है, जिससे यह और भी आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन गई है। पॉपुलर ऑफ-रोडर महिंद्रा थार के एलएक्स 2डब्ल्यूडी वैरिएंट की कीमत में 1.35 लाख रुपए तक की कमी हुई है।

धान के रकबा को पाम की खेती के तैयार करना होगा, पाम तेल आत्मनिर्भरता जरुरी

सॉलिडारिडाड एशिया द्वारा तैयार श्वेत पत्र जारी

नई दिल्ली भारत में पाम तेल आत्मनिर्भरता पर शनिवार को जारी एक श्वेतपत्र में कहा गया है कि भारत को यदि पाम तेल आयात पर निर्भरता कम करनी है, तब 160.8 लाख हेक्टेयर छोटी जोत के धान के रकबा को पाम की खेती के तैयार करना होगा, साथ ही पाम तेल की उत्पादकता को वर्तमान 2.4 टन से बढ़ाकर 4-5 टन प्रति हेक्टेयर करने के लिए रणनीति तैयार करना होगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और एशियन पाम ऑयल अलायंस (एपीओए) के सहयोग से सॉलिडारिडाड एशिया द्वारा तैयार यह श्वेत पत्र पाम तेल के आयात पर भारत की भारी निर्भरता को कम करने, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और साल 2047 तक 50 प्रतिशत तक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक व्यापक रणनीति प्रदान करता है।

डू यू वाना पार्टनर में अपने किरदार को लेकर नकुल मेहता की राय

टेलीविजन अभिनेता नकुल मेहता ने डू यू वाना पार्टनर में बॉबी बग्गा की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अपने किरदार को लेकर नकुल क्या सोचते हैं। इस बात को उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। नकुल ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरों के साथ एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए एक खास अनुभव था। नकुल ने अपनी नई सीरीज डू यू वाना पार्टनर में बॉबी बग्गा के किरदार के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी भूमिका है, जो अब तक उनके द्वारा निभाई गई किसी भी प्रयास से अलग है।

नया अनुभव और चुनौतियां

नकुल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट (डू यू वाना पार्टनर) ने उन्हें एक नए तरह का किरदार निभाने का मौका दिया। बॉबी बग्गा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत खास था। यह मेरे अब तक के किसी भी किरदार से अलग था। धर्माटिक और प्राइम वीडियो के साथ पहली बार काम करना शानदार रहा। पूरी टीम बहुत अच्छी थी। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर है, जिसे अर्चित कुमार और कॉलिन डीकुन्हा ने निर्देशित किया है। इसमें तमन्ना भाटिया, डायना पेंटी, जावेद जाफरी, श्वेता तिवारी और रणविजय सिंघा जैसे सितारे भी हैं।

निर्देशकों और टीम की तारीफ

नकुल ने निर्देशक अर्चित कुमार की तारीफ की और कहा कि उनके साथ काम करके उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। कॉलिन डीकुन्हा ने सेट पर अच्छा माहौल बनाया, जिससे काम करना आसान और मजेदार रहा। नकुल ने कास्टिंग डायरेक्टर और पूरी टीम का भी शुक्रिया अदा किया।

खास लोगों को धन्यवाद

नकुल ने अपनी पोस्ट में कई लोगों का जिक्र किया। उन्होंने प्रोडक्शन डिजाइनर लिपक्षी एलावादी, उविचार, साहिल आनंद अरोड़ा और मुश्ताक खान का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि उनके विचारों ने उन्हें दिल्ली की संस्कृति समझने में मदद की और साहिल ने मेकअप में शानदार काम किया। नकुल ने यह भी कहा कि उनके दोस्त प्रतीक ने उन्हें बॉबी बग्गा का किरदार समझने में मदद की।

'अल्फा' को बताया पहली एक्शन फिल्म तो ट्रोल हुईं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चाओं में हैं। यशराज के स्पाई यूनिवर्स की ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होनी है। अब आलिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म बता रही हैं। आलिया के ऐसा बताने पर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने एक्ट्रेस को ट्रोल कर दिया है। वहीं आलिया के लुक को लेकर भी उन्हें निशाने पर लिया गया और दीपिका को कॉपी करने की बात कही।

आलिया ने 'अल्फा' को कहा अपनी पहली एक्शन फिल्म

मिलान फैशन वीक में गुच्ची स्प्रिंग/समर 2026 फैशन शो के दौरान आलिया ने मीडिया से बात करते हुए आलिया ने 'अल्फा' को लेकर अपना उत्साह जताया। इसी दौरान अभिनेत्री ने 'अल्फा' को अपनी पहली एक्शन फिल्म कहकर संबोधित किया। फिल्म को लेकर अपनी खुशी जताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'यह रिलीज के काफी करीब है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, क्योंकि यह मेरी पहली एक्शन फिल्म है, और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं।'

यूजर्स ने 'जिगरा' और 'कलंक' की दिलाई याद

अब आलिया के 'अल्फा' को अपनी पहली फिल्म बताने पर नेटिजेंस ने एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि आलिया इससे पहले 'जिगरा' और 'हार्ट ऑफ स्टोन' जैसी एक्शन फिल्में कर चुकी हैं। तो वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि आलिया ने अपनी फिल्मोग्राफी से 'सड़क 2' और 'कलंक' जैसी फिल्में हटा ही दी हैं। नेटिजेंस का कहना है कि क्या अभिनेत्री अपनी पिछली एक्शन फिल्मों, खासकर जिगरा को नजरअंदाज कर रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आलिया यह एक एक्शन फिल्म थी। दोनों ही बुरी तरह फ्लॉप हुईं।' जबकि एक अन्य ने लिखा, 'आलिया ने अपनी फिल्मों से शानदार, सड़क, कलंक, जिगरा और हार्ट ऑफ स्टोन हटा दी हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'शशश, हम कभी सड़क, कलंक, हार्ट ऑफ स्टोन या जिगरा के बारे में बात नहीं करते।'

दिसंबर में रिलीज होगी अल्फा

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर अल्फा इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। यह यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा आलिया पति रणबीर कपूर और अभिनेता विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की भी शूटिंग कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होनी है।

अपने लुक को लेकर भी ट्रोल हुई आलिया

इसके अलावा आलिया को मिलान फैशन वीक में उनके लुक को लेकर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। यहां लोगों ने उनके लुक की तुलना दीपिका पादुकोण के लुक से कर दी। इसके बाद नेटिजेंस ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ ने लिखा, 'आलिया दीपिका को कॉपी करने का प्रयास कर रही हैं।' तो वहीं कई ने आलिया को सस्ती दीपिका करार दिया।

सबा आजाद ने बताया शादी को लेकर क्या है उनकी प्लानिंग

सबा आजाद बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपने अब तक के करियर में अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उनका मानना है कि उन्हें उस तरह के किरदार पसंद हैं, जहां उन्हें पूरी तरह से ढलना पड़े।

शादी के लिए माता-पिता ने नहीं डाला दबाव

सबा पिछले काफी वक्त से अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। अक्सर दोनों की शादी को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। अब अपनी व्यक्तिगत जिंदगी और शादी की प्लानिंग पर सबे ने कहा कि मैं एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ी हूं जहां शादी कभी भी सब कुछ नहीं रही। छह साल की उम्र में, मेरे माता-पिता ने मुझसे कहा कि बेटा, अगर तुम नहीं चाहती तो तुम्हें शादी करने की जरूरत नहीं है। इसलिए मुझे अपने परिवार से कभी भी इस बात का कोई दबाव महसूस नहीं हुआ कि मुझे अपनी जिंदगी कैसे जीनी है।

टाइपकास्ट होना इंडस्ट्री में हमेशा से संघर्ष रहा

अभिनेत्री ने टाइपकास्ट होने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे अक्सर शहरी किरदारों में बांध दिया जाता है। लोग मुझसे पूछते हैं, क्या तुम हिंदी भी बोल सकती हो? और मैं कहती हूं, बिल्कुल बोल सकती हूं। रूढ़िवादिता से बाहर निकलना हमेशा एक चुनौती होती है। इसलिए जब कोई निर्देशक कुछ अलग तरह से सोचता है तो यह एक तोहफा होता है। टाइपकास्टिंग के खिलाफ संघर्ष एक ऐसा संघर्ष है जिसका सामना ज्यादातर कलाकार करते हैं। आप किसी खास भूमिका में खुद के बारे में सोचने के लिए किसी पर निर्भर होते हैं, और कभी-कभी आपको मनचाहा काम नहीं मिलता।

सीनियर्स को सम्मान मिलता देख अच्छा लगता है

हाल ही में आयोजित हुए 71वें नेशनल फिल्म पुरस्कार समारोह में मलयालम अभिनेता मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर उन्हें देश की कई बड़ी हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं। ऐसे में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी उन्हें बधाई दी और उन्हें सुपरस्टार बताया। कंगना रनौत ने बातचीत में कहा जब कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है तो यह उनके लिए अच्छी बात होती है। मोहनलाल एक सुपरस्टार हैं। भारत में उनका नाम है। राष्ट्रीय स्तर पर उनके काम को सम्मान मिलना अच्छा लगता है। सीनियर्स को सम्मान मिलता देख हमें भी अच्छा लगता है। इस तरह के आयोजन कलाकारों के प्रति सरकार के समर्थन को दर्शाते हैं।

'कांतारा 2' का ट्रेलर देख किच्चा सुदीप ने ऋषभ शेट्टी की तारीफ की

बीते सोमवार को कांतारा चैप्टर 1 का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमे ऋषभ शेट्टी की एक्टिंग दर्शकों को पसंद आ रही है। अब इसने लोगों में फिल्म को लेकर बेसब्री बढ़ा दी है। कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने अपने एक्स अकाउंट पर कांतारा 2 का ट्रेलर देखने के बाद प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ऋषभ की मेहनत की तारीफ करते हुए ट्रेलर को शानदार बताया है।

कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'कांतारा चैप्टर 1 फिल्म का ट्रेलर देखा, ढेर सारा प्यार मेरे दोस्त ऋषभ शेट्टी। आपकी कड़ी मेहनत और प्रयास हर फ्रेम में साफ दिखाई दे रहे हैं। आपने और आपकी टीम ने जो बनाया है, वह अद्भुत है। मुझे गर्व है। आपको और आपकी पूरी टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं।'

ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित 'कंतारा: चैप्टर 1' होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिज़ाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल कहानी को आकार दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'कांतारा चैप्टर 1' को लेकर फैंस का उत्साहित हैं और वो फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा इस फिल्म को कन्नड़ के अलावा हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा।

अगर एआई मेरी आवाज के गाने बनाएगा, तो मैं केस कर दूंगा

तकरीबन 25 सालों से सिंगिंग के क्षेत्र में एक्टिव रहे गायक शान को अपने चाहने वालों का बेहद प्यार मिला है। तनहा दिल, चांद सिफारिश, मुसु मुसु हासी, हे शोना, बहती हवा सा था वो, बम बम बोले मस्ती में डोले जैसे लोकप्रिय और सुपरहिट गाने देने वाले शान इन दिनों चर्चा में हैं फॉरएवर किशोर शान से जैसे लाइव कॉन्सर्ट से।

आपके पिता संगीतकार थे और अब आपकी गायकी के बाद आपके बेटे माही और सोहम भी आपकी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं?

मेरे दादाजी भी संगीतकार थे, तो यही कहूंगा, मिले जो कड़ी कड़ी, एक जंजीर बने हमारी चार पीढ़ियों तक तो संगीत की विरासत कायम है और चाहता हूं ये हमेशा बनी रहे। सच कहूं, तो ये प्लानिंग तो कत्तई थी ही नहीं। मैं जब छोटा था, तब मैं नहीं चाहता था कि मैं म्यूजिक के क्षेत्र में आऊं, क्योंकि मेरे दादाजी के बाद पिताजी की भी भी काफी स्ट्रगल रही, तो मैं नहीं चाहता था कि मैं भी उसी स्ट्रगल में खत्म हो जाऊं। मैंने बच्चों पर कभी भी म्यूजिक को प्रोफेशन बनाने का दबाव नहीं डाला, मगर बच्चों को इसी फील्ड में आना था और आज मेरा बेटा माही जहां सिंगर बन गया है, वहीं दूसरा बेटा सोहम संगीत की दुनिया से जुड़ा है।

अपने करियर में आपने मुश्किल दौर क्या झेला?

पिछले 6-7 साल से मेरा करियर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। गाने रिकॉर्ड तो करता हूं, लेकिन या तो फिल्म रुक जाती है या सिचुएशन बदल जाती है और गाने का कुछ होता ही नहीं। एक ज्योतिषी ने भी कहा था कि मेरा सिंगिंग का संयोग खत्म हो गया है और शोज करने चाहिए। शानू दा (कुमार शानू) ने समझाया कि ऐसी बातों पर ध्यान न दूं। अब मैं हर उस दरवाजे पर खटखटा रहा हूं जो खुलता नहीं, लेकिन जहां मौका मिलता है, वहां गा रहा हूं—छोटी फिल्मों, चैनलों, दुर्गा पूजा जैसे उत्सवों और शोज में। बड़े कंपोज़र्स और प्रोड्यूसर्स क्या सोचते हैं, ये पता नहीं, लेकिन मेरा मानना है, रुक जाना नहीं तू कभी हार के।

हाल ही में हमने सैयारा के गाने को एआई के जरिए किशोर दा की आवाज में सुना, आप एआई को निकट भविष्य में खतरा मानते हैं?

मुझे इसी बात का अफसोस है। जिन लोगों ने भी ये किया, उन्होंने बहुत ही चतुराई से उसे ब्लैक एंड वाइट में किया, उन्हें तो व्यूज भी मिल गए। कई बच्चों को ये भी लग रहा है कि ये तो किशोर दा का गाया हुआ पुराना गाना है। मैंने तो ऐसे भी कमेंट्स पढ़े कि उन्हें ये गाना ओरिजिनल से ज्यादा अच्छा लग रहा है। देखिए, आप आवाज को ऑटोट्यून करके बदल सकते हैं। मुझे ये खतरे से ज्यादा लीगल मुद्दा लगता है।अगर कल को मुझे अपने जैसी आवाज में कोई ऐसा गाना मिले, जो मैंने गाया नहीं है, तो मैं उन पर केस कर सकता हूं। चूंकि एक गाने से म्यूजिक कंपनीज भी जुड़ी रहती हैं, तो एआई के जरिए आप गाने क्रिएट कर रहे हो, तो समस्या में पड़ सकते हो।

आपकी पत्नी राधिका किस तरह से आपकी जिंदगी का आधार स्तंभ हैं?

मैं यही कहूंगा कि मैं वो पतंग हूं, जिसकी डोर राधिका के हाथों में है। उसे पता है, कहां ढील देनी है और कहां पकड़ना है? वो मुझसे 6 साल छोटी हैं, तो जब हमारी शादी हुई थी, तब मुझे लगता था कि मैंने दुनिया ज्यादा देखी है, मगर जल्दी समझ में आ गया कि उनकी सिक्स्थ सेन्स ज्यादा प्रबल होती है। वो मेरे बारे में मुझसे ज्यादा सोचती हैं, तो मुझे उनकी सोच पर पूरा भरोसा है।

फॉरएवर किशोर शान जैसे शो से जुड़ने को क्यों प्रेरित हुए

मैंने देखा है कि पिछले 3-4 सालों में रब्बानी और नमिता, जो मेरे गुरु गुलाम मुस्तफा खान साहब के बहू-बेटे हैं, ने कई बड़े शोज क्यूरेट किए हैं। उन्होंने मुझे इस लाइव कॉन्सर्ट से जुड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मुझे लगा कि किशोर दा को ट्रिब्यूट देते हुए एक ऐसा संगीतमय गुलदस्ता पेश करूं, जो यादगार बन जाए। मैंने उन गानों को नॉस्टैल्जिक और आर्केस्ट्रा वाला फील न देकर आज के यूथ से जोड़ना चाहता हूं। मेरे पिता म्यूजिक कंपोजर हुआ करते थे, तो किशोर दा ने पिताजी के लिए गाना गाया था। मैंने उन्हें लाइव गाते हुए देखा है। मैं उस वक्त 12 साल का रहा होऊंगा। वो मेरे पिताजी की आखिरी रिकॉर्डिंग थी। मैं बहुत ही भाग्यवान मानता हूं खुद को कि मैंने रफ़ी साहब (मोहम्मद रफी) को भी लाइव गाते हुए देखा है। किशोर दा के साथ प्यारी याद यही थी कि मेहबूब स्टूडियो में गाने की रिकॉर्डिंग थी। बंगाली गाना था, काले सिल्क की लुंगी और कुर्ता पहना था उन्होंने। बारिश हो रही थी और मेरे पिताजी और किशोर दा एक ही छाते में चलते हुए जा रहे थे।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा बाबर का रिकॉर्ड, अब हसन रजा को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने यूथ क्रिकेट में फिर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज में सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को 3-0 की क्लीन स्वीप दिलाई। हालांकि तीसरे मैच में वह केवल 16 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इससे पहले के मैचों में उनके प्रदर्शन ने उन्हें रिकॉर्ड की किताबों में दर्ज करा दिया। वैभव ने कुल 556 रन बनाए हैं और इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनकी नजरें पाकिस्तान के हसन रजा के 727 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने पर टिकी हैं। यूथ वनडे में 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सूर्यवंशी का नाम अब शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में शुमार हो गया है।

सूर्यवंशी ने हाल ही में यूथ वनडे में सबसे अधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के उनमुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। वैभव ने अब 43 छक्कों के साथ इस सूची में पहले पायदान पर कब्जा जमा लिया है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय अंडर-19 टीम के लिए गर्व का क्षण है और युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही है। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 11 पारियों में 556 रन बनाए हैं, उनकी औसत 50.54 और स्ट्राइक रेट 151.91 रहा है। उनकी इस बेहतरीन फार्म को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका करियर यूथ क्रिकेट में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाला साबित हो सकता है। उनके तकनीकी कौशल, आक्रामक खेल और दबाव में शांत रहना उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

अंडर-19 टीम के कोच और विशेषज्ञों का कहना है कि वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन केवल रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह खेल के सभी पहलुओं में टीम के लिए अहम योगदान दे रहे हैं। उनका यह लगातार उत्कृष्ट खेल भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी संकेत है। अब सभी की निगाहें 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे हसन रजा ने 727 रन बनाकर अपने नाम किया था। अगर वैभव अपनी फॉर्म को ऐसे ही जारी रखते हैं, तो बहुत जल्द यह रिकॉर्ड भी उनके नाम हो सकता है। यूथ क्रिकेट में सूर्यवंशी की चमक से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में नई उम्मीदें जाग रही हैं।

विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप : आईईडी धमाके में पैर गंवाया, अब पैरा तीरंदाजी चैंपियन बने तोमन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार ने छत्तीसगढ़ में 2022 में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक घातक द्धश्वष्ठ विस्फोट में अपना पैर गंवा दिया था लेकिन उन्होंने इसके बाद की चुनौतियों से पार पाते हुए सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

CRPF (केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल) के 30 वर्षीय कांस्टेबल ने अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में सात पदक जीते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा का खिताब जीता।

तोमन CRPF की एक इकाई का हिस्सा थे जिसे देश के सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में से एक दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नियुक्त किया गया था। फरवरी 2022 में CRPF और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी के दौरान तोमन IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट में घायल हो गए।

CRPF के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह इसमें गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे 12 फरवरी 2022 को उसका बायां पैर काटना पड़ा। उन्होंने कहा, 'तोमन कुमार 2017 में CRPF में शामिल हुए थे और जब वह मात्र 26 वर्ष के थे। लेकिन बस्तर में फरवरी में हुई इस मुठभेड़ में शरीर का एक अंग गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।'

अधिकारी ने आगे बताया कि वह CRPF के एक विशेष सेंटर NCDE (राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र) में शामिल हो गए जिसे 2020 में शारीरिक रूप से अक्षमता का सामना करने वाले जवानों के लिए खोला गया था। उन्होंने बताया कि तोमन ने नवंबर 2023 में पैरा तीरंदाजी का अभ्यास शुरू किया और एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्हें सीआरपीएफ की केंद्रीय (मुख्य) टीम में शामिल किया गया। तोमन ने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा, ग्वांगजू सहित चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लिया है।

हर्षवर्धन ने रच दिया इतिहास, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष चुने गए

पटना (एजेंसी)। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने रविवार को अपने 2025 के पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजों की घोषणा की, जिससे हर्षवर्धन का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय हो गया। केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने सबसे युवा BCA अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया, जिससे BCA के नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव आया और बिहार के शीर्ष क्रिकेट संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रिया कुमारी उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगी, जबकि जियाउल आरेफिन सचिव होंगे। अभिषेक नंदन को कोषाध्यक्ष और रोहित कुमार संयुक्त सचिव के रूप में कार्य करेंगे। रविवार को घोषित परिणामों के साथ अन्य सभी पदाधिकारी भी निर्विरोध चुने गए। इसके अतिरिक्त राजेश कुमार को प्रबंध समिति (जिला प्रतिनिधि) का सदस्य और ज्ञानेश्वर गौतम को शासी परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया।

चुनाव एम. मोदस्सिर (सेवानिवृत्त आईएएस) की देखरेख में हुए और उनकी घोषणा की गई जिन्होंने चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य किया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने एक बयान में कहा, 'बिहार क्रिकेट के सभी हितधारकों द्वारा दिखाए गए विश्वास और समर्थन से हम अभिभूत हैं। हमारी सामूहिक प्राथमिकता जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मज़बूत करना, मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना और राज्य भर में युवा व महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए अधिक अवसर पैदा करना होगा। हम सब मिलकर बिहार क्रिकेट को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

इस बीच, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने घोषणा की है कि पुरुष सीनियर और अंडर-23 टीमों के लिए चयन ट्रायल और तैयारी शिविर मंगलवार 30 सितंबर से पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में शुरू होगा। खिलाड़ियों को 29 सितंबर को शाम 4ः00 बजे तक स्टेडियम में रिपोर्ट करना होगा। BCA ने हाल ही में खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन पर एक फिजियोथेरेपी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बिहार के खिलाड़ी न केवल शारीरिक रूप से मज़बूत रहें, बल्कि चोट लगने की स्थिति में जल्दी मैदान पर वापसी भी कर सकें।

बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेटरों पर सख्ती, आईपीएल में डेब्यू से पहले पास करनी होगी ये 'परीक्षा'

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने युवा क्रिकेटरों के लिए नया नियम लागू कर सबको चौंका दिया है। अब कोई भी खिलाड़ी सीधे आईपीएल की चकाचौंध में छलांग नहीं लगा पाएगा। IPL में जगह बनाने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट की 'परीक्षा' पास करनी होगी। यानी रणजी जैसे प्रथम श्रेणी मैच खेलना अब अनिवार्य कर दिया गया है। यह बदलाव न सिर्फ खिलाड़ियों को मजबूत बनाएगा बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी और मज़बूत करेगा।

नियम में बदलाव:घरेलू अनुभव अनिवार्य

बीसीसीआई ने साफ़ कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटर आईपीएल का हिस्सा तभी बन सकेंगे, जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हों। पहले ऐसा कोई नियम नहीं था, और कई खिलाड़ी सीधे नीलामी या ट्रायल से आईपीएल में एंट्री ले लेते थे।

वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण

इस बदलाव के महत्व को समझाने के लिए बीसीसीआई ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण दिया। मात्र 13 साल 243 दिन की उम्र में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदे गए वैभव ने डेब्यू से पहले ही बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में पारी खेली थी। यही वजह है कि वह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शामिल होने के बावजूद तैयार नज़र आए। अब तक उन्होंने पाँच प्रथम श्रेणी मैचों में 100 रन बनाए हैं।

घरेलू क्रिकेट की अहमियत बढ़ी

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव ज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

ज्यादा घरेलू मैच, ज्यादा इनाम

नए नियम के साथ बीसीसीआई ने एक और बड़ा ऐलान किया है—जो खिलाड़ी सीज़न में ज्यादा घरेलू मैच खेलेंगे, उन्हें ज्यादा भुगतान मिलेगा। इसका मकसद है खिलाड़ियों को लगातार खेलते रहने के लिए प्रोत्साहित करना और घरेलू टूर्नामेंटों को गंभीरता से लेने की प्रेरणा देना।

नतीजा : भारतीय क्रिकेट को नई दिशा

यह कदम भारतीय क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने वाला माना जा रहा है। अब हर जूनियर खिलाड़ी के लिए आईपीएल तक का रास्ता घरेलू क्रिकेट से होकर गुज़रेगा। इसका सीधा असर रणजी और दूसरे टूर्नामेंटों की प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ेगा, जिससे न केवल खिलाड़ियों बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी मजबूती मिलेगी।

रोहन जेटली बीसीसीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई : दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रोहन जेटली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड की रविवार को हुई 94वीं वार्षिक आम बैठक में यह फैसला किया गया। इस फैसले से डीडीसीए में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए कहा गया है कि यह प्रतिष्ठित नियुक्ति पूरे डीडीसीए परिवार के लिए गौरव का क्षण है। हम श्री जेटली को निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते हैं और उनके नेतृत्व में डीडीसीए को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की आशा करते हैं।

अब रणजी खेलने के बाद ही आईपीएल खेल सकेंगे युवा क्रिकेटर

मुम्बई। अब कोई भी क्रिकेटर सीधे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नहीं खेल पायेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक नया नियम बनाय है जिसके तहत वही खिलाड़ी आईपीएल खेल सकता है जो रणजी ट्रॉफी खेला हुआ हो। बीसीसीआई का मानना है कि इस नये नियम से घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा कोई क्रिकेटर नहीं कर पायेगा। बीसीसीआई ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटरों को भी आईपीएल खेलने से पहले जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल खेलना होगा। वहीं अब तक ऐसे क्रिकेटर सीधे ही आईपीएल खेल लेते थे। बोर्ड के इस फैसरे से घरेलू क्रिकेट का महत्व बढ़ेगा क्योंकि पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा था कि क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में रुचि न लेते हुए मोटी रकम के लालच में सीधे आईपीएल खेलने का प्रयास कर रहे थे। वहीं बोर्ड का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव होना भीज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी अच्छी तरह से होंगे।नए नियम के साथ बीसीसीआई ने घोषणा की है जो खिलाड़ी घरेल सत्र मे अधिक मैच खेलेंगे। उन्हें ज्यादा ईनाम मिलेगा।

नेपाल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को हराकर सबको हैरान किया

शारजाह। नेपाल क्रिकेट यहां खेले गये पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विजेता को 19 रनों से हराकर सबको हैरान कर दिया। इस जीत से पता चलता है कि नेपाल क्रिकेट कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये पहली बार है जब नेपाल की टीम ने किसी पूर्णकालिक सदस्य देश को हराया है। नेपाल की टीम ने इस जीत से दिखा दिया है कि उसके खिलाड़ी खेल को लेकर कितने गंभीर है और उनमे जुनून की कमी नहीं है। इस मैच मे पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही दो विकेट खो दिये पर इसके बाद कप्तान रोहित पौडेल ने 38 रन और कुशल मल्ला ने 30 रन बनाकर पारी को संभाला। वहीं इसके बाद गुलशन झा ने 22 और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 17 रन बनाये। इस प्रकार निर्धारित 20 ओवर्स में नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने 4 विकेट लिए जबकि पहला मैच खेल रहे नवीन बिदाईसी ने भी 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। काइल मेयर्स केव 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद एकीम ऑगस्टे ने 15 जबकि आमिर जंगू ने 19 रन बनाये। कीसी कार्टी 16 और अंत में फैबियन एलन 19 व कप्तान अकील हुसैन 18 रन ही बना पाये। कैरिबियाई टीम 20 ओवर में 9 पर केवल 129 रन ही बना पायी।नेपाल की ओर से कुशल भुरतेल ने सबसे अधिक 2 विकेट जबकि रोहित पौडेल, ललित राजबंशी, करण केसी, दीपेंद्र ऐरी और नंदन यादव ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत से जहां नेपाल टीम का मनोबल बढ़ा है , वहीं दो बार की विश्व विजेता रही वेस्टइंडीज के गिरते स्तर का अंदाजा होता है।

वेस्टइंडीज सीरीज में करुण नायर को जगह न मिलने पर कोच ने जताई नाराजगी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर करुण नायर को आगामी वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिलने पर उनके बचपन के कोच विजय मद्यालकर ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 8 पारियों में 205 रन बनाए थे, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल था, जिसके बावजूद उन्हें वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर रखा गया। मद्यालकर ने कहा कि नायर आगामी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे और वह भारतीय परिस्थितियों के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। उन्होंने बताया, मुझे उसके लिए बहुत बुरा लगा। मुझे लगता है कि वह एक और मौके का हकदार था। इंग्लैंड जैसी कठिन परिस्थितियों में, जहाँ बल्लेबाजी आसान नहीं होती, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

कोच ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं का नजरिया अलग होता है और उनकी सोच का सम्मान करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह उनका फैसला है। वे अलग तरह से सोचते हैं। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि नायर ने इंग्लैंड में जो किया, वह पर्याप्त था। उन्होंने भारत में भी अच्छे रन बनाए थे और अब उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मौका देना चाहिए था।

मद्यालकर का यह भी मानना है कि नायर की तकनीक और मानसिक मजबूती उन्हें भारतीय परिस्थितियों में विशेष रूप से प्रभावशाली बल्लेबाज बनाती है। भारत में विकेट और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार नायर का खेल अधिक कारगर हो सकता है। इंग्लैंड में हालात हमेशा बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं होते। ऐसे खिलाड़ी को मौका देने से टीम को फायदा ही होगा, उन्होंने कहा। 34 वर्षीय करुण नायर का नाम लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम में भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में लिया जाता रहा है। हालांकि इंग्लैंड में उनके स्कोर अपेक्षाकृत मध्यम रहे, फिर भी कोच मद्यालकर का मानना है कि उनकी तकनीक और अनुभव उन्हें घरेलू परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाते हैं।

इस निर्णय के बाद क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारतीय परिस्थितियों में अनुभव और तकनीक रखने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मौका दिया जाना चाहिए। करुण नायर की अगली चुनौती अब यह साबित करना होगी कि वह भारतीय परिस्थितियों में टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट के लिए भारत की टीमः शुबमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

कोको गॉफ चीन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची, लेला फर्नांडीज को हराया

बीजिंग। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने रविवार को यहां कड़े मुकाबले में लेला फर्नांडीज को तीन सेट में हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। गत चैंपियन गॉफ ने दूसरा सेट गंवाने के बावजूद फर्नांडीज को 6-4, 4-6, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरा सेट गंवाने के बाद गॉफ ने तीसरे और निर्णायक सेट के 12वें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर जीत दर्ज की। गॉफ इस डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज टूर्नामेंट के अगले दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच और ऑस्ट्रेलिया की प्रिसकिला होन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगी। इससे पहले इवा लिस ने 10वें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को 6-3, 1-6, 6-4 से हराया जबकि अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने बारबरा क्रेसिकोवा के 1-6, 7-5, 3-0 के स्कोर पर मुकाबले के बीच से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई। महिला टूर्नामेंट के साथ चल रहे एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट में लोरेंजो मुसेटी ने अनुभवी एड्रियन मनारिनो को दूसरे दौर के मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया। मुसेटी अगले दौर में लर्नर टिएन से भिड़ेंगे जिन्होंने फ्लावियो कोबोली को 6-3, 6-2 से हराया।

बंगलादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ टीम की घोषणा की, टी20 सीरीज से बाहर हुए कप्तान लिटन दास

ढाका। बंगलादेश के कप्तान लिटन दास एशिया कप के दौरान पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दास की अनुपस्थिति में जैकर अली टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने कहा, 'वह (दास) साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप के पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। एमआरआई स्कैन से पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव का पता चला है। वह रिकवरी कर रहे हैं और टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मेडिकल टीम उनके पुनर्वास का प्रबंधन और उनकी प्रगति पर नजर रखेगी।' यह 32 वर्षीय बल्लेबाज एशिया कप खेलने वाली बंगलादेशी टीम में शामिल एकमात्र खिलाड़ी हैं। शारजाह में खेली जाने वाली तीन मैचों की यह श्रृंखला 2 अक्टूबर से शुरू होगी।

बंगलादेशी टीम – जैकर अली (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन, सौम्या सरकार

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम चरण की मेजबानी करेगा कतर

दोहा। कतर फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम तीन मैचों की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट सभी छह महाद्वीपों के क्लब चैंपियनों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है। फाइनल 17 दिसंबर को होगा, जिसमें पेरिस सेंट-जर्मेन अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उतरेंगे। तीसरा मैच, जिसे 'फीफा डर्बी ऑफ द अमेरिकास' कहा गया है, 10 दिसंबर को खेला जाएगा। इसमें मैक्सिकन क्लब क्रूज अज़ुल, जो कॉनकाकाफ चैंपियंस कप 2025 के विजेता हैं, और कॉनमेबोल लिबर्टाडोरेस 2025 के विजेता का मुकाबला होगा। डर्बी विजेता टीम 13 दिसंबर को मिस्र की पिरामिड्स के खिलाफ फीफा चैलेंजर कप में उतरेगी। पिरामिड्स ने 23 सितंबर को जेद्दा में फीफा अफ़्रीकी-एशियाई-प्रशांत कप जीतकर अपनी जगह पक्की की थी। प्रतियोगिता का समापन 17 दिसंबर को पांचवें मैच के साथ होगा,

जिसमें चैलेंजर कप विजेता टीम पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगी। कतर इस साल फीफा अंडर-17 विश्व कप और फीफा अरब कप का भी आयोजन कर रहा है, जिसमें फीफा विश्व कप 2022 के लिए बनाए गए स्टेडियम और सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा। तीसरा और चौथा मैच अहमद बिन अली स्टेडियम में होंगे, जबकि फाइनल स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। पिछले साल, रियल मैड्रिड ने नए टूर्नामेंट प्रारूप में लुसैल स्टेडियम में पचुका को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी, जिसमें लगभग 70,000 दर्शक मौजूद थे। कतर की लगातार मेजबानी, विश्वस्तरीय फुटबॉल आयोजनों के लिए इसकी स्थायित्व और तैयारियों को उजागर करती है। इस साल का इंटरकॉन्टिनेंटल कप क्लब फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर अनुभव साबित होगा।

बुल्गारियाई पैरा खिलाड़ी ने रचा इतिहास, विश्व रिकॉर्ड तोड़कर जीता लगातार छठा स्वर्ण

स्पोर्ट्स डेस्क। खेलों की दुनिया में कुछ नाम सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि इतिहास बदलने के लिए जाने जाते हैं। बुल्गारिया के पैरा शॉटपुट स्टार रुज़्दी ने ऐसा ही कमाल कर दिखाया। दुबई में हो रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने न केवल लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अपने ही बनाए विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नई ऊँचाई छू ली। उनका यह कारनामा खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा से कम नहीं।

छठा स्वर्ण और नया विश्व रिकॉर्ड

34 वर्षीय रुज़्दी रविवार को पुरुषों की शॉटपुट स्न55 स्पर्धा में उतरे तो सबकी निगाहें उन पर थीं। आखिरी और छठे प्रयास में उन्होंने 12.94 मीटर की शानदार थ्रो लगाई। यह दूरी उनके ही 2023 पेरिस विश्व चैंपियनशिप में बनाए 12.68 मीटर के रिकॉर्ड से कहीं आगे थी। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पैरा शॉटपुट में अपना दबदबा और मज़बूत कर दिया।

पदक तालिका

स्वर्णः रुज़्दी (बुल्गारिया) - 12.94 मीटर

रजतः नेबोजसा ड्यूरिक (सर्बिया) - 12.52 मीटर

कांस्यः लेक स्टोल्टमैन (पोलैंड) - 12.02 मीटर

ड्यूरिक और स्टोल्टमैन ने भले ही व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो, लेकिन रुज़्दी का जलवा उनके ऊपर भारी पड़ा।

एक ही दिन टूटे तीन रिकॉर्ड

दूसरे दिन सुबह के सत्र में रुज़्दी के अलावा भी तीन नए विश्व रिकॉर्ड बने।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुषों की लंबी कूद ञ्च20 में 7.67 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपनी हैट्रिक पूरी की।

यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने शॉटपुट ञ्च12 में 17.39 मीटर फेंककर नया रिकॉर्ड बनाया।

अल्जीरिया की नसीमा सैफी ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्न57 स्पर्धा में 34.54 मीटर का थ्रो लगाकर लगातार छठा स्वर्ण अपने नाम किया।

रुज़्दी की संघर्ष गाथा

रुज़्दी की सफलता सिर्फ खेल की उपलब्धि नहीं, बल्कि इंसानी जज़्बे की कहानी है। एक कार दुर्घटना में उनके कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय खेल को अपनी नई पहचान बना लिया। 2015 दोहा से शुरू हुई उनकी स्वर्ण यात्रा अब तक हर संस्करण में जारी है। यह तीसरी बार है जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

ओबामा-क्लिंटन के वकील बार्नेट का निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बराक ओबामा और मिशेल ओबामा, हिलेरी क्लिंटन समेत दर्जनों नेताओं का प्रतिनिधित्व कर चुके वाशिंगटन के एक प्रभावशाली वकील रॉबर्ट बी. बार्नेट का 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बार्नेट की कार्यकारी सहायक एश्ले डफी ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात उनका निधन हो गया। बार्नेट उच्चस्तरीय लॉ फर्म विलियम्स एंड कोनोली में साझेदार थे और 20 से अधिक वर्षों तक वाशिंगटन के अभिजात वर्ग और न्यूयॉर्क के प्रकाशकों के बीच मध्यस्थ के रूप में उनकी हैसियत के आसपास भी कोई नहीं पहुंचा। 1990 के दशक की शुरुआत से ओबामा प्रशासन के अंत तक, 2017 में बार्नेट ने लगातार तीन राष्ट्रपतियों और प्रथम महिलाओं - क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू और लॉरा बुश और ओबामा और शेष ए-सूची के अधिकांश राजनीतिक खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व किया।

खैबर पख्तूनख्वा में दुर्घटना, एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

क्वेटा, एजेंसी। बचाव अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा डेरा इस्माइल खान जिले में एक वाहन के ब्रेक फेल हो जाने से हुआ। वाहन झोब जिले से डेरा इस्माइल खान जा रहा था। घटनास्थल से सात शव बरामद हुए हैं, जिनमें पांच महिलाएं, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। तीन घायल अस्पताल भेजे गए।

माइक्रोसॉफ्ट ने इस्राइल में घटाई क्लाउड और एआई उत्पादों की सेवा

येरूशलम, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट ने इस्राइली सेना की एक यूनिट को अपनी कुछ सेवाएं देनी बंद कर दी हैं। कंपनी ने दावा किया है कि इस्राली सेना उसकी क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई का इस्तेमाल गाजा में फलस्तीनियों के सर्विलांस के लिए कर कर रहा था। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, इस्राइल गाजा में कई बार हमले करने के लिए उसकी तकनीक का इस्तेमाल करता है ऐसे में इन सेवाओं पर रोक लगा देना जरूरी है। अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ ने कहा, सेवाओं के नियमों के लिए ही यह कदम उठाया गया है।

नेपाल में सुरक्षाबलों की गोलियों से मारे गए थे 33 लोग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में इस महीने हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों पर बड़ा खुलासा हुआ है। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन की फॉरेंसिक रिपोर्ट में पता चला कि 33 प्रदर्शनकारियों की मौत गोली लगने से हुई थी, जो घातक हथियारों से चलाई गई थीं। यह पहला आधिकारिक प्रमाण है कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर असली गोलियों का इस्तेमाल किया था। संस्थान के महाराजगंज मेडिकल कैंपस में 47 शवों का पोस्टमार्टम हुआ। फॉरेंसिक विभाग के सदस्य ने बताया कि 34 शवों में गोलियों के जख्म पाए गए। इनमें 10 को सिर में, 18 को सीने में, चार को पेट में और दो को गले में गोली लगी थी। केवल एक व्यक्ति को रबर बुलेट लगी थी। हिंसक प्रदर्शनों में 74 लोगों की मौत हुई थी।

इंडोनेशिया : मुस्लिम समुदाय में खसरे के टीके का विरोध

सुमेनैप, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमेनैप शहर में मुस्लिम समुदाय बच्चों को खसरे के टीका लगाने का विरोध कर रहा है। इनमें कुछ माता-पिता ऐसे हैं जो बच्चों को इसकी खुराक दिलाने से मना कर रहे हैं। उनका मानना है कि कुछ टीकों में सुअर से प्राप्त जिलेटिन का इस्तेमाल किया जाता है, जो इस्लाम में हराम है। कई धार्मिक विद्वान मानते हैं कि कुछ परिस्थितियों में सुअर से बने चिकित्सा उत्पादों का उपयोग किया जा सकता है। देश में इस साल अब तक 2,600 से अधिक बच्चे खसरे से संक्रमित हो चुके हैं।

लताड़ के बाद बदले नाटो चीफ के सुर, बोले- हमने भारत को खोया नहीं है, करीबी संबंध रखने की कोशिश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत की लताड़ के बाद नाटो प्रमुख मार्क रुट के सुर बदले नजर आ रहे हैं। रुट ने हाल ही में दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन किया और रूसी तेल के आयात को लेकर भारत पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के मद्देनजर यूक्रेन पर रणनीति के बारे में पूछा। इस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। अब एक इंटरव्यू के दौरान मार्क रुट ने कहा कि वे भारत से अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं और भारत को चीन या रूस के हाथों खोया नहीं है। नाटो महासचिव ने कहा, नरेंद्र मोदी चीन में शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ थे।

नेतन्याहू ने यूएनमें खाली कुर्सियों को संबोधित किया, दर्जनों प्रतिनिधियों का वॉकआउट, बाहर भी विरोध

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में दिए गए अपने भाषण के दौरान भारी विरोध और वॉकआउट का सामना करना पड़ा। गाजा पर जारी हमलों को अंत तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा कि इजरायल को हमास के खिलाफ काम पूरा करना ही होगा। हालांकि नेतन्याहू के भाषण के दौरान सभागार में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं- कुछ प्रतिनिधियों ने तालियां बजाई तो कई सदस्य विरोध के चलते बाहर चले गए। भाषण शुरू होने से पहले ही कई से अधिक देशों के सैकड़ों राजनयिकों ने सभागार को खाली कर दिया। जिससे नेतन्याहू को लगभग खाली हॉल में बोलना पड़ा। यह घटना इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के बीच वैश्विक अलगाव को उजागर करती है, जहां पश्चिमी देशों द्वारा फिलिस्तीनी देश को मान्यता देने का निर्णय नेतन्याहू के लिए नया झटका साबित हुआ। भाषण के दौरान उन्होंने अपनी जैकेट पर एक बड़ा क्यूआर कोड वाला पिन पहना था। साथ ही, नेतन्याहू ने दावा किया कि उनके भाषण को पूरे गाजा पट्टी में लाउडस्पीकर और मोबाइल फोनों के जरिए लाइव प्रसारित किया जा रहा है, ताकि बंधक और हमास सदस्य इसे सुन सकें। यह कदम इजरायल की रणनीतिक प्रचार युद्ध का हिस्सा था।

महासभा में विरोध और खाली कुर्सियां : अमेरिका और ब्रिटेन के लिए आवंटित सीटों पर वरिष्ठ राजदूतों या अधिकारियों के बजाय निम्न-स्तरीय कूटनीतिज्ञ मौजूद थे। कई सीटें खाली थीं, और ईरान की खाली कुर्सियों के पास उन बच्चों की तस्वीरें रखी गई थीं, जिनके बारे में तेहरान ने दावा किया कि वे जून में इजरायल के युद्ध के दौरान मारे गए थे। हॉल में अस्पष्ट नारे गूंज रहे थे, जबकि गैलरी में मौजूद समर्थकों से तालियां भी मिलीं। कुछ प्रतिनिधियों ने फिलिस्तीनी केफिया (सिर पर बांधा जाने वाला पारंपरिक कपड़ा) पहन रखा था।

बंधकों को संदेश : अपने भाषण में नेतन्याहू ने दावा किया कि उनका भाषण गाजा में लगे लाउडस्पीकर्स के जरिए और अभूतपूर्व अभियान के तहत लोगों के मोबाइल फोन पर भी प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने आपको एक सेकंड के लिए भी नहीं भुलाया। इजरायल की जनता आपके साथ है। हमास को संबोधित करते हुए उन्होंने चेतावनी दी, अपने हथियार डाल दो। मेरे लोगों को जाने दो। अगर ऐसा करोगे तो बचोगे, वरना इजरायल तुम्हें ढूंढ-ढूंढकर मारेगा। पश्चिमी देशों और फिलिस्तीनी मान्यता पर निशाना नेतन्याहू ने पश्चिमी देशों की आलोचना की और कहा कि कुछ पश्चिमी नेता दबाव में झुक गए हैं, लेकिन इजरायल झुकेगा नहीं। उन्होंने उन देशों के फैसले को शर्मनाक बताया जिन्होंने फिलिस्तीन को देश का दर्जा दिया है। उनके अनुसार, यह निर्णय आतंकवाद को बढ़ावा देगा और निर्दोषों के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित करेगा। विजुअल एड्स और प्रचार के प्रयास नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में अपने पिछले भाषणों की तरह इस बार भी विजुअल एड्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक नक्शा दिखाया, जिसका शीर्षक था द कर्स, जो इजरायल के पड़ोस में उसकी चुनौतियों को दर्शाता था। उन्होंने इसे मार्कर से चिह्नित किया। इसके अलावा, उन्होंने एक पिन पहना था, जिसमें 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और इजरायली बंधकों के बारे में जानकारी देने वाले वेबसाइट का क्यूआर कोड था। ट्रंप का कड़ा बयान इसी बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह वेस्ट बैंक के विलय की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा, मैं इजरायल को वेस्ट बैंक मिलाने की इजाजत नहीं दूंगा। नहीं, ऐसा नहीं होगा। अब बहुत हो चुका। अब रुकने का समय है। नेतन्याहू के खिलाफ, पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के साथ, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में युद्ध अपराधों के आरोप दर्ज हैं। संयुक्त राष्ट्र मंच पर उनका यह भाषण अंतरराष्ट्रीय आलोचना का जवाब देने का प्रयास माना जा रहा है। विरोध प्रदर्शन नेतन्याहू के भाषण के समानांतर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही ब्लॉक दूर सैकड़ों लोग फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन में जुटे। पैलेस्टिनियन यूथ मूवमेंट से जुड़ी निदा लाफी ने कहा, इजरायल ने दुनिया के हर संवेदनशील इंसान के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संघर्ष हमेशा से फिलिस्तीन की पूरी तरह से जातीय सफाई, जमीन हड़पने और शोषण के लिए था। भीड़ ने शेम-शेम के नारे लगाए। दूसरे देशों की लड़ाई भी लड़ रहा है इजरायल अपने भाषण के अंत में नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायल सिर्फ अपनी सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि कट्टरपंथी इस्लाम के खिलाफ पूरी दुनिया की ओर से लड़ रहा है। उन्होंने कहा, आप सबके दिल की गहराइयों में यह सच है कि इजरायल आपकी लड़ाई लड़ रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार, 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक आक्रामक और भावुक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने हमास के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई को आखिरी अंजाम तक ले जाने की बात कही। भाषण के दौरान उन्होंने अपनी जैकेट पर एक बड़ा क्यूआर कोड वाला पिन पहना था।

जी-4 देशों ने यूएनएससी में सुधार की दोहराई मांग, विकासशील देशों की बड़ी भागीदारी पर भी दिया जोर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र के दौरान मुलाकात कर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की तत्काल जरूरत पर जोर दिया। इस बैठक में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा, जर्मनी के फेडरल विदेश मंत्री डॉ. जोहान वेडफुल और जापान के विदेश मंत्री इवाया ताकेशी शामिल हुए।

लगातार अस्थिर हो रही है अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था जी-4 देशों ने कहा कि मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था लगातार अस्थिर हो रही है और यूएनएससी अपने दायित्वों को ठीक से निभाने में नाकाम साबित हो रही है। ऐसे में सुरक्षा परिषद में सुधार बेहद जरूरी है ताकि यह मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को सही ढंग से दर्शा सके और अधिक प्रतिनिधित्व, वैधता और प्रभावशीलता सुनिश्चित कर सके। विकासशील देशों की बड़ी भागीदारी पर जोर विदेश मंत्रियों ने साफ किया कि यूएनएससी का विस्तार स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में होना चाहिए। उन्होंने अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन जैसे कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों को उचित जगह देने पर जोर दिया। चारों देशों ने अफ्रीकी देशों की संयुक्त मांग, जिसे इजुल्विनी कंसेंसस और सिर्टे घोषणा में दर्ज किया गया है, के प्रति अपना मजबूत समर्थन दोहराया। एक-दूसरे के स्थायी सदस्य बनने की उम्मीदवारी का करेंगे समर्थन इस मुलाकात में यह भी तय हुआ कि जी4 देश एक-दूसरे के स्थायी सदस्य बनने की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे। साथ ही, ये देश अन्य समूहों के साथ मिलकर एक ठोस मॉडल तैयार करने के लिए काम करेंगे जिससे पाठ-आधारित वार्ता आगे बढ़ सके। मंत्रियों ने यह भी कहा कि यूएनएससी सुधार पर चर्चा सिर्फ इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (आईजीएन) तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे अन्य मंचों पर भी उठाया जाएगा।

बांग्लादेशी प्रवासी बोले- यूनुस पाकिस्तानी है, पाकिस्तान वापस जाओ

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। बांग्लादेशी प्रवासियों ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर के बाहर मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस को पाकिस्तानी करार देते हुए यूनुस इज पाकिस्तानी और गो बैक टू पाकिस्तान जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारी बोले यूनुस बांग्लादेश को तालिबान जैसा देश बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस इस्लाम-वादी ताकतों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने यूनुस पर अगस्त 5, 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूनुस के सत्ता में आने के बाद से मानवाधिकारों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। कई लोग देश छोड़ने पर मजबूर हुए हैं। प्रदर्शनकारी बोले- हसीना सरकार को गैरकानूनी ढंग से हटाया एक प्रदर्शनकारी ने एएनआई से कहा, हम हिंदू, बौद्ध, ईसाई और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ हैं। हम हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग करते हैं, जिन्हें यूनुस ने गैरकानूनी ढंग से जेल में कैद कर रखा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शेख हसीना की सरकार को गैरकानूनी ढंग से हटाया गया। उनकी सरकार लोकतांत्रिक थी। यूनुस ने सत्ता हड़प ली और अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ गए। अगस्त 2024 में तख्तापलट के बाद हिंदू निशाना बने 5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में लंबे छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हुआ था। हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके साथ ही बांग्लादेश में हालात बिगड़ गए। पुलिस रातों-रात अंडरग्राउंड हो गई। बेकाबू भीड़ के निशाने पर सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक, खासतौर पर हिंदू आए। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां सांप्रदायिक हिंसा में 32 हिंदुओं की जान चली गई। रेप और महिलाओं से उत्पीड़न के 13 केस सामने आए। करीब 133 मंदिरों पर हमले हुए। ये घटनाएं 4 अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुईं।

एफबीआई की बड़ी कार्रवाई, नस्लीय न्याय आंदोलन में हिस्सा लेने वाले अपने 20 एजेंटों को नौकरी से निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रमुख जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने नस्लीय न्याय आंदोलन में भाग लेने वाले एजेंटों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत एफबीआई ने लगभग 20 ऐसे एजेंटों को नौकरी से निकाल दिया है, जो 2020 में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद वॉशिंगटन में हुए नस्लीय न्याय आंदोलन के दौरान प्रदर्शन में घुटनों पर बैठे दिखाई दिए थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि नाम ना बताने के शर्त पर इस बात की जानकारी तीन ऐसे अधिकारियों ने दी है जो इस मामले से जुड़े हैं। सूत्रों के अनुसार, इन एजेंटों को पहले अस्थायी रूप से अन्य विभागों में भेजा गया था, लेकिन पिछले कुछ समय में उन्हें पूरी तरह से निकाल दिया गया। बताया जा रहा है कि करीब 20 एजेंटों को

नौकरी से निकाला गया है।

जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद हुआ था आंदोलन : बता दें कि इस पूरे मामले की शुरुआत 2020 में हुई, जब मिनियापोलिस में पुलिस हिरासत में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत हुई। इस घटना के बाद अमेरिका और दुनियाभर में नस्लीय भेदभाव और पुलिस हिंसा के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे। ऐसे ही एक प्रदर्शन में कुछ एफबीआई एजेंट एकजुटता दिखाने के लिए घुटनों पर बैठे, जिसकी तस्वीरें सामने आई थीं। हालांकि एफबीआई के इस कदम के बारे में

कई वरिष्ठ अधिकारियों की भी हुई थी छुट्टी : दूसरी ओर यह फैसला एफबीआई डायरेक्टर कश पटेल द्वारा एजेंसी में किए जा रहे बड़े बदलावों के तहत लिया गया है। हाल ही में चार वरिष्ठ एजेंटों और अधिकारियों को भी अचानक हटा दिया गया, जिससे एफबीआई के अंदर कर्मचारियों का मनोबल गिरने की बात कही जा रही है। इनमें से एक, स्टीव जेनसन, कैपिटल हिल पर 6 जनवरी 2021 को हुए हमले की जांच में शामिल थे। दूसरे अधिकारी, ब्रायन ड्रिस्कोल, ट्रंप प्रशासन की शुरुआत में कार्यकारी एफबीआई निदेशक रहे और उन्होंने उन एजेंटों के नाम देने से इनकार किया जो 6 जनवरी की जांच में शामिल थे। तीसरे अधिकारी, क्रिस मेयर, जिनके बारे में सोशल मीडिया पर गलत अफवाह थी कि उन्होंने ट्रंप के मार-ए-लागो स्थित घर से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों की जांच की थी। चौथे अधिकारी, वाल्टर जियार्डिना ने ट्रंप के सलाहकार पीटर नवैरो के खिलाफ हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच की थी। निकाले गए अधिकारियों ने दायर किया था मुकदमा गौरतलब है कि ऐसे घटनाक्रम में निकाले गए तीन वरिष्ठ एजेंटो, जेनसन, ड्रिस्कोल और स्पेंसर इवांस ने सरकार पर मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि डायरेक्टर पटेल ने खुद कहा था कि एजेंटों को उनके केस वर्क के आधार पर निकालना संविधान के खिलाफ हो सकता है, लेकिन व्हाइट हाउस और न्याय विभाग का दबाव था, इसलिए वो इसे रोक नहीं सके। हालांकि, पटेल ने हाल ही में कांग्रेस में शपथ लेकर कहा कि उन्होंने किसी को व्हाइट हाउस से आदेश नहीं लिए और जो भी एजेंट निकाले गए।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को राहत, फंडिंग पर रोक का फैसला बरकरार रखा, अरबों डॉलर की विदेशी मदद पर संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत मिली है। अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 5 अरब डॉलर की विदेशी सहायता पर रोक लगाने के आदेश को आगे बढ़ा दिया है। यह कदम राष्ट्रपति पद के अधिकारों को लेकर चल रहे विवाद में ट्रंप को एक और बड़ी जीत दिलाता है। अदालत के रूढ़िवादी बहुमत ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को कांग्रेस द्वारा स्वीकृत अरबों डॉलर की सहायता से जुड़े एक मामले में रिपब्लिकन प्रशासन की आपातकालीन अपील को स्वीकार कर लिया। हालांकि, तीन उदारवादी न्यायाधीशों ने इसका विरोध किया। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह यह पैसा खर्च नहीं करेंगे। उन्होंने करीब 50 साल पहले इस्तेमाल की गई विवादित सांविधानिक शक्ति का हवाला दिया।

निचली अदालत ने ट्रंप के फैसले को अवैध करार दिया था अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने ट्रंप के फैसले को अवैध करार दिया था और कहा था कि फंडिंग रोकने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है। इस न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की। हालांकि, वाशिंगटन स्थित संघीय अपील अदालत ने भी न्यायाधीश अली के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। लेकिन मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने 9 सितंबर को आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी, जिसे अब पूर्ण न्यायालय ने अनिश्चितकाल तक बढ़ा दिया है।

पहली भी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी है राहत : यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को राहत दी है। पहले भी कोर्ट ने आपातकालीन अपीलों पर ही प्रवासियों की सुरक्षा खत्म करने, हजारों संघीय कर्मचारियों को हटाने, ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से निकालने और स्वतंत्र सरकारी एजेंसियों के प्रमुखों को हटाने की अनुमति दी थी। हालांकि ये सभी कानूनी जीतें अंतिम फैसला नहीं हैं। ट्रंप ने हाउस स्पीकर को पत्र लिख कहा था- वह पैसा खर्च नहीं करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप ने 28 अगस्त को हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को पत्र लिखकर कहा था कि वह 4.9 अरब डॉलर की कांग्रेस से मंजूर विदेशी मदद खर्च नहीं करेंगे। इसके लिए उन्होंने पॉकेट रिसीशन (अधिनियम रद्दीकरण) नाम की दुर्लभ प्रक्रिया अपनाई। इसके तहत राष्ट्रपति बजट वर्ष के आखिर में कांग्रेस से अनुरोध कर सकता है कि स्वीकृत पैसा खर्च न किया जाए। लेकिन बजट वर्ष खत्म होने से पहले 45 दिन की मंजूरी की अवधि पूरी नहीं होती, जिससे व्हाइट हाउस का दावा है कि पैसे खर्च न करने का अधिकार मिल जाता है। अदालत ने स्पष्ट किया- यह अंतिम फैसला नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विदेश नीति पर राष्ट्रपति की शक्तियां इस मामले में अहम हैं। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अंतिम फैसला नहीं है।

अमेरिकी यौन अपराधी एप्सटीन केस में मस्क का नाम सामने आया; प्राइवेट आइलैंड जाने की योजना बनाई थी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन की संपत्ति से जुड़े नए दस्तावेज सामने आए हैं। इनमें खुलासा हुआ है कि 2007 में दोषी ठहराए जाने के बाद भी एप्सटीन कई बड़े नेताओं और उद्योगपतियों से जुड़े रहे। इन नामों में टेस्ला मालिक इलॉन मस्क, पेपाल के सह-संस्थापक पीटर थिल और ट्रम्प के सहयोगी स्टीव बैनन शामिल हैं। अमेरिकी हाउस ओवरसाइट और गवर्नमेंट रिफॉर्म कमेटी को कुल 8,544 दस्तावेज सौंपे गए हैं। इनमें रोजाना के शेड्यूल, फ्लाइट लॉग, पैसों के रिकॉर्ड और फोन मैसेज शामिल हैं।

दस्तावेजों के मुताबिक, दिसंबर 2014 में मस्क की एप्सटीन के प्राइवेट आइलैंड की यात्रा की योजना बनी थी। एक नोट में लिखा था-क्या यह अब भी तय है? वहीं 2017 में पीटर थिल से लंच और 2019 में स्टीव बैनन के साथ नाश्ते का जिक्र है। यह मुलाकात एप्सटीन की गिरफ्तारी से कुछ महीने पहले की बताई जा रही है।

रिकॉर्ड्स में प्रिंस एंड्रयू से जुड़े मसाज भुगतान का भी उल्लेख है। साथ ही साल 2000 से फ्लाइट लॉग्स में एप्सटीन, गिसलेन मैक्सवेल, प्रिंस एंड्रयू और अन्य लोगों की यात्राओं का विवरण दर्ज है। डेमोक्रेट सांसदों ने कहा कि दस्तावेज दिखाते हैं कि एप्सटीन 2007 के विवादित प्लीडील के बाद भी ताकतवर और अमीर लोगों से नजदीकी बनाए हुए थे। एप्सटीन पर दर्जनों नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप थे, लेकिन 2007 में फ्लोरिडा में हुए एक प्लीडील के तहत उसने सिर्फ एक वेश्यावृत्ति से जुड़े आरोप कबूल किए।

नतीजा यह हुआ कि उसे 13 महीने की जेल हुई, वह भी दिन में काम करने की अनुमति के साथ। बाकी गंभीर आरोप हटा दिए गए। समझौते में यह भी तय था कि उसके संभावित सहयोगियों या बड़े नेटवर्क की जांच नहीं होगी। वहीं, रिपब्लिकन नेताओं ने आरोप लगाया कि डेमोक्रेट्स ने राजनीतिक फायदा लेने के लिए चुनिंदा कागजात ही जारी किए हैं। कई दस्तावेज अभी भी पीड़ितों की सुरक्षा के लिए सील हैं। आने वाले हफ्तों में और खुलासे हो सकते हैं। एप्सटीन ने 2019 के आखिर में जेल में आत्महत्या कर ली थी।

हाइब्रिड मॉडल से चल रहा है पाकिस्तान, सेना और सरकार मिलकर करते हैं शासन, ख्वाजा आसिफ का कबूलनामा

इस्लामाबाद / वॉशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि देश में शासन का संचालन हाइब्रिड मॉडल के तहत होता है, जहां सेना और नागरिक सरकार मिलकर फैसले लेती है। आसिफ ने यह बयान एक पत्रकार को दिए एक साक्षात्कार में दिया है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान की सत्ता में सेना का दखल है और निर्णय सहमति से लिए जाते हैं।

पाकिस्तान में सेना प्रमुख का प्रभाव इतना ज्यादा क्यों : जब ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि पाकिस्तान में सेना प्रमुख का प्रभाव इतना ज्यादा क्यों है कि रक्षा मंत्री भी उसके अधीन दिखाई देते हैं। इस पर आसिफ ने कहा, यह पूरी तरह समान नहीं है, लेकिन फैसले सहमति से लिए जाते हैं। हम असहमत हो सकते हैं, लेकिन अंत में सामूहिक निर्णय ही लागू होता है। जब उनसे तुलना की गई कि अमेरिका में रक्षा मंत्री के पास जनरलों को बर्खास्त करने का अधिकार होता है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है, तो आसिफ ने अमेरिका की व्यवस्था को डीप स्टेट कहकर टाल दिया।

पहले भी हाइब्रिड शासन की तारीफ कर चुके हैं आसिफ : पाकिस्तानी अखबार के मुताबिक, आसिफ ने पहले भी इस हाइब्रिड शासन प्रणाली की तारीफ करते हुए इसे पाकिस्तान की आर्थिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने के लिए व्यावहारिक आवश्यकता बताया था। उनका कहना था कि यह आदर्श लोकतंत्र नहीं है, लेकिन मौजूदा हालात में यही व्यवस्था देश के लिए बेहतरीन काम कर रही है।

अमेरिका से बढ़ते रिश्तों पर चीन को भरोसा : इस दौरान ख्वाजा आसिफ से पाकिस्तान के अमेरिका और चीन के बीच संतुलन पर भी सवाल पूछा गया। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज

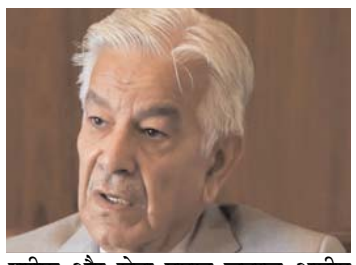

शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की मेजबानी की थी। इस पर पूछा गया कि क्या अमेरिका से बढ़ते संबंध चीन के साथ पाकिस्तान की दोस्ती को प्रभावित करेंगे। आसिफ ने कहा कि चीन को इस बात की कोई चिंता नहीं है। हमारा चीन के साथ संबंध दशकों पुराना और भरोसेमंद है। चीन हमारे हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। हमारी वायुसेना, पनडुब्बियां और कई बड़े रक्षा उपकरण वहीं से आते हैं। अमेरिका जैसे देशों की अविश्वसनीयता की वजह से चीन के साथ हमारा सहयोग और भी मजबूत हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान का रणनीतिक भविष्य चीन के साथ ही जुड़ा हुआ है, हालांकि अमेरिका के साथ संबंध लेन-देन वाले और थोड़े चोचलेबाजी जैसे रहे हैं।

सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता : आसिफ ने सऊदी अरब के साथ हाल ही में हुए समझौते पर भी बात की। इस समझौते के तहत किसी एक देश पर हमले को दोनों पर हमला माना जाएगा। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा छत्रछाया सऊदी अरब को भी कवर करेगी, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। शरीफ ने यूएनजीए में ट्रंप की तारीफ की व्हाइट हाउस बैठक के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण का बड़ा हिस्सा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ में समर्पित किया। उन्होंने ट्रंप को मैन ऑफ पीस बताते हुए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात कही। हालांकि भारत का कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्धविराम समझौता दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच सीधे संपर्क से हुआ था, इसमें किसी अन्य नेता की भूमिका नहीं थी।

अमेरिका के शिकागो में इमिग्रेशन दफ्तर के बाहर प्रदर्शन, फेडरल एजेंट्स ने आंसू गैस और पेपर बॉल्स दागे : शिकागो, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में शुक्रवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट ऑफिस के बाहर हिंसक झड़प हुई। करीब 100 लोग हिरासत केंद्र की खराब हालत के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने रास्ता रोक दिया, जिससे फेडरल एजेंट्स ने आंसू गैस और पेपर बॉल्स चलाए। कई लोग घायल हुए और एक-दूसरे की आंखों में पानी डालकर मदद करते दिखे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हिरासत में रहने वालों को खाने-पीने और दवाइयों की कमी है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।